चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....अमर उजाला....

दिनांक 23.4.2021...पृष्ठ संख्या....2....कॉलम....1-5....

प्राकृतिक संसाधनों के दोहन से हो रहा पर्यावरण में असंतुलन : प्रो. कांबोज

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) के कुलपति प्रोफेसर बीआर कांबोज ने कहा कि पृथ्वी सभी जीवों का पोषण करती है। प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन के कारण पर्यावरण में असंतुलन बढ़ रहा है, जिसकी वजह से स्थिति दयनीय होती जा रही है। ऐसे में हमें पृथ्वी के प्रति अपने कर्तव्यों को समझना पड़ेगा और इसे बेहतर बनाने में योगदान देना होगा। वे विश्व पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय के किसान छात्रावास परिसर में वीरवार को पौधरोपण करने के बाद उपस्थित को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन भू-दृश्य इकाई के नियंत्रण अधिकारी डॉ. देवेंद्र दहिया की देखरेख में किया गया।

विश्व पृथ्वी दिवस पर विश्वविद्यालय के किसान छात्रावास परिसर में किया पौधरोपण

प्रोफेसर बीआर कांबोज ने बताया कि पहली बार 22 अप्रैल 1970 को विश्व पृथ्वी दिवस मनाया गया था। इस वर्ष की थीम पृथ्वी को पुनः स्थापित करना रखा गया है। पृथ्वी को स्वस्थ व पहले की तरह बनाने के लिए हम सभी को अपनी धरती को हरा-भरा और बेहतर बनाने का संकल्प लेना पड़ेगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी एवं अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

कृषि वैज्ञानिकों की सिफारिशों के अनुसार करें कपास की बिजाई : कुलपति

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। कपास की बिजाई किसान विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की सिफारिशों अनुसार करें, ताकि उनको अपनी फसल की अच्छी पैदावार मिले और अधिक मुनाफा हो। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने वीरवार को जारी बयान में कही।

उन्होंने कहा कि गत वर्ष जिन किसानों ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की सिफारिशों अनुसार फसल की बिजाई की थी, उनकी फसलों में बीमारियों का असर अन्य फसलों की तुलना में बहुत कम था। समय-समय पर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक भी किसानों से सोशल मीडिया, प्रिंट मीडिया व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से संपर्क में रहेंगे।

इसके लिए प्रदेश का कृषि विभाग एवं एचएयू के वैज्ञानिक संयुक्त रूप से एक जागरूकता अभियान भी जिलेवार चला रहे हैं। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत के अनुसार 28 अप्रैल तक चलने वाले अभियान को सफल बनाने के लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की एक टीम गठित कर दी गई है। टीम में विश्वविद्यालय की ओर से आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग से सहायक वैज्ञानिक डॉ. सोमवीर, सहायक सस्य विज्ञानी डॉ. करमल सिंह, प्लांट पैथोलोजिस्ट डॉ. मनमोहन सिंह, कीट विज्ञानी डॉ. अनिल को शामिल किया गया है।

विश्व पृथ्वी दिवस पर पौधरोपण करते कुलपति प्रोफेसर बीआर कांबोज एवं अन्य।

ये रहेंगे टीम में शामिल

टीम में एक मृदा वैज्ञानिक और प्लांट पैथोलॉजिस्ट भी शामिल होंगे, जो मिट्टी की जांच आदि की जानकारी देंगे। इसके अलावा कृषि विभाग से जुड़े सभी अधिकारी, एटीएम, बीटीएम एवं कृषि सुपरवाइजर को इस प्रशिक्षण में प्रशिक्षित किया जाएगा। कपास अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. ओमेंद्र सांगवान ने बताया कि कपास अनुभाग के वैज्ञानिक लगातार कपास फसल में पैराविल्ट, पोषक तत्वों की कमी, सूखे के कारण कपास फसल के सूखने के कारणों का पता लगाएंगे और इनके निदान की संभावनाएं तलाशेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक सवेरा.....

दिनांक 24.4.2021...पृष्ठ संख्या.....3.....कॉलम....4-6.....

हकृवि को ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण मॉड्यूल के लिए मिले चार कॉपीराइट

● वैश्वानिकों की इस उपलब्धि के लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफैसर बी.आर. काम्बोज ने दी बधाई

हिसार, 23 अप्रैल (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैश्वानिकों की मेहनत व अनवरत प्रयास एक बार फिर रंग लाई है। इस बार एक ओर उपलब्धि विश्वविद्यालय के नाम जुड़ गई है, जिसमें विश्वविद्यालय के वैश्वानिकों को ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण के मोड्यूल के लिए एक साथ चार कॉपीराइट मिले हैं। मौलिक विश्वान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. राजवीर सिंह ने बताया कि ये मोड्यूल गणित एवं सांख्यिकी विभाग के प्रोफैसर ओ.पी. श्योराण, डा. विनय कुमार और उनके सहयोगी डा. मंजू सिंह टोंक, डा. रामनिवास, डा. सरिता रानी के द्वारा तैयार किए गए हैं। विश्वविद्यालय को इन मोड्यूल के लिए कॉपीराइट मिला है, जो 23 अप्रैल को मनाए जाने वाले विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस के अवसर पर यह संसार के कृषि अनुसंधान क्षेत्र के विद्यार्थियों व वैश्वानिकों के लिए एक तोहफा है। गणित एवं सांख्यिकी विभाग के प्रोफैसर ओ.पी. श्योराण ने बताया कि ये मोड्यूल एक्टिव सर्वर पेजिस(ए.एस.पी.) भाषा का उपयोग करते हुए क्लाइंट सर्वर आर्किटैक्चर विधि पर आधारित हैं। इन मोड्यूल का उपयोग इंटरनैट के माध्यम से कोई भी वैश्वानिक अनुसंधान में आंकड़ों का विश्लेषण करने के लिए कर सकता है।

विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात : कुलपति

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफैसर बी.आर. काम्बोज ने इस उपलब्धि के लिए मोड्यूल तैयार करने वाली पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह विश्वद्यिालय के लिए गौरव की बात है। चित्र परिचय 23 हिसार 10: कुलपति प्रोफैसर बी.आर. काम्बोज के साथ मोड्यूल तैयार करने वाली टीम।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....दैनिक जागरण....

दिनांक 24.4.2021 पृष्ठ संख्या....2....कॉलम....6....

एचएयू को ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण मोड्यूल के लिए मिले चार कॉपीराइट

जासं, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की मेहनत व अनवरत प्रयास एक बार फिर रंग लाई है। इस बार एक ओर उपलब्धि विश्वविद्यालय के नाम जुड़ गई है, जिसमें विश्वविद्यालय के विज्ञानियों को ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण के मोड्यूल के लिए एक साथ चार कॉपीराइट मिले हैं। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. राजवीर सिंह ने बताया कि ये मोड्यूल गणित एवं सांख्यिकी विभाग के प्रो. ओपी श्योराण, डा. विनय कुमार और उनके सहयोगी डा. मंजू सिंह टोंक, डा. रामनिवास, डा. सरिता रानी के द्वारा तैयार किए गए हैं। विश्वविद्यालय को इन मोड्यूल के लिए कॉपीराइट मिला है, जो 23 अप्रैल को मनाए जाने वाले विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस के अवसर पर यह संसार के कृषि अनुसंधान क्षेत्र के विद्यार्थियों व विज्ञानियों के लिए एक तोहफा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक जागरण.....

दिनांक 24.4.2021.....पृष्ठ संख्या.....3.....कॉलम.....1.....

'पुस्तकें इंसान की सच्ची मार्गदर्शक'

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी में विश्व पुस्तक दिवस के अवसर पर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज बतौर मुख्यातिथि रहे उन्होंने कहा कि पुस्तकें इंसान की सच्ची मार्गदर्शक हैं, इसलिए ज्यादा से ज्यादा अध्ययन जरूरी है। पुस्तकों में जीवन का सार होता है। अगर कोई इंसान किताबों को ही अपना सच्चा मार्गदर्शक मान ले तो इसमें जीवन की हर समस्या का समाधान मौजूद होता है। उन्होंने इस दौरान पुस्तकालयाध्यक्ष प्रोफेसर बलवान सिंह से कहा कि इस प्रदर्शनी के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा विश्वविद्यालय के शिक्षकों की लिखित पुस्तकों को समय-समय पर प्रदर्शित करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला.....

दिनांक 25.4.2021....पृष्ठ संख्या.....3.....कॉलम.....4.....

सतर्कता

कोरोना पॉजिटिव मिलने पर विवि के कर्मचारियों या परिजनों के संपर्क में रहेंगे विवि कैंपस के चिकित्सक

एचएयू में आमजन का प्रवेश बंद, आईकार्ड के साथ जा सकेंगे कर्मी

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। लगातार बढ़ रहे कोरोना संक्रमण के बीच चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आम लोगों का प्रवेश बंद कर दिया है।

केवल विवि के कर्मचारी, विद्यार्थी और कैंपस के निवासी ही बालसमंद रोड पर स्थित गेट नंबर एक से आवागमन कर सकेंगे और इसके लिए गेट पर उनके पास आई कार्ड या वाहन पर गेट पास का लगा होना अनिवार्य होगा। हालांकि इन लोगों के लिए गेट नंबर 2 और 4 भी सीमित समय के लिए खुला रखा जाएगा जिसका समय सुबह साढ़े 8 से साढ़े 9 बजे और शाम को साढ़े 4 बजे से साढ़े 5 बजे तक रखा गया है। सरकारी वाहनों का प्रवेश गेट नंबर 3 से होगा।

एचएयू में सैनिटाइजेशन अभियान के तहत भवन को सैनिटाइज करता कर्मचारी।

लाइब्रेरी और हॉस्टल बंद

विवि प्रशासन ने लाइब्रेरी, हॉस्टलों, फैकल्टी हाउस, फैकल्टी क्लब, किसान आश्रम में ठहरने को लेकर भी आगामी आदेशों तक पाबंदियां लगा दी हैं। हालांकि जरूरत पड़ने पर सामाजिक दूरी को ध्यान में रखते हुए सीमित क्षमता के साथ ठहराव हो सकता है। फैकल्टी हाउस में खाने की सर्विस को बंद कर दिया गया है। हालांकि पूरे कोविड प्रोटोकॉल के साथ कमरे में डाइनिंग सर्विस दी जा सकती है।

“ सुरक्षा विभाग के अधिकारियों से सख्ती बरतते हुए विश्वविद्यालय परिसर में बाहरी व्यक्तियों के अनावश्यक आवागमन पर भी पाबंदी लगाने के लिए निर्देश दिए हैं। वहीं, विवि कैंपस को सैनिटाइज करवाया जा रहा है। मैं विवि परिवार के लोगों, किसानों व आमजन से आह्वान करता हूं कि कोरोना के बढ़ते संक्रमण से अपने व परिजनों के बचाव के लिए केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी मास्क, सामाजिक दूरी, सैनिटाइजेशन जैसी हिदायतों का विशेष ध्यान रखें।

- प्रो. बीआर कंबोज, कुलपति, एचएयू हिसार।

जहां कोरोना पॉजिटिव मिले, तुरंत सैनिटाइज हो कार्यालय

विवि के कुलपति प्रो. बीआर कंबोज ने कहा कि विश्वविद्यालय के जिस भी कार्यालय में कोरोना संक्रमित कोई कर्मचारी मिलता है तो संबंधित कार्यालय को तुरंत सैनिटाइज करवाएं। विश्वविद्यालय परिसर में किसी भी कर्मचारी या उसके परिजन के कोरोना संक्रमित होने पर विश्वविद्यालय के कैंपस अस्पताल के डॉक्टरों की टीम लगातार उस कर्मचारी या परिजनों से संपर्क बनाए रखेगी, ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। साथ ही संबंधित क्षेत्र को समय-समय पर सैनिटाइज भी करवाया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक सवेरा.....

दिनांक 24.4.2021...पृष्ठ संख्या.....3.....कॉलम.....1-2.....

विश्व पुस्तक दिवस पर एचएयू की लाइब्रेरी में प्रदर्शनी

पुस्तकों का अवलोकन करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफैसर बी.आर. काम्बोज एवं अन्य।

हिसार, (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी में विश्व पुस्तक दिवस के अवसर पर शुक्रवार को एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफैसर बी.आर. काम्बोज बतौर मुख्यातिथि थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति ने कहा कि पुस्तकें इंसान की सच्ची मार्गदर्शक हैं, इसलिए ज्यादा से ज्यादा अध्ययन जरूरी है। उन्होंने इस दौरान पुस्कालयाध्यक्ष प्रोफैसर बलवान सिंह से कहा कि इस प्रदर्शनी के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा विश्वविद्यालय के शिक्षकों की लिखित पुस्तकों को समय-समय पर प्रदर्शित करें ताकि आने वाली पीढ़ी इनसे प्रेरणा ले और आगे बढ़े। उन्होंने पुस्तक लिखने से पहले कॉपीराइट एक्ट का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी ताकि भविष्य में किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। उन्होंने इस दिवस के मनाने के उद्देश्य पर विचार करते हुए कहा कि इस दिवस के आयोजन का प्रमुख उद्देश्य पठन, प्रकाशन एवं कॉपीराइट को बढ़ावा देना है। इस दिवस की शुरूआत प्रथम बार 1995 में की गई थी। इस दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय के शिक्षकों की पुस्तकों के बारे में सारांश के तौर पर ऑनलाइन माध्यम से विद्यार्थियों को परिचित कराने की अपील की ताकि विद्यार्थी ज्यादा से ज्यादा इनकी तरफ आकर्षित हो सकें और प्रेरणा ले सकें। इस अवसर पर पुस्तकालयाध्यक्ष प्रोफैसर बलवान सिंह ने मुख्यातिथि का स्वागत किया और इस प्रदर्शनी के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस समय कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी सभी हिदायतों का सख्ती से पालन किया जा रहा है। इसी के चलते कार्यक्रम में सामाजिक दूरी, सेनेटाइजेशन व मास्क का विशेष ध्यान रखा गया। कार्यक्रम में महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी एवं पुस्तकालय के कर्मचारी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ....दैनिक भास्कर........

दिनांक 24.4.2021 पृष्ठ संख्या 2 कॉलम 6-8

प्रो. काम्बोज ने कहा-पुस्तकें इंसान की सच्ची मार्गदर्शक, अधिक से अधिक करें अध्ययन

विश्व पुस्तक दिवस पर एचएयू की लाइब्रेरी में प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू की नेहरू लाइब्रेरी में विश्व पुस्तक दिवस पर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एचएयू के वीसी प्रोफेसर बीआर. काम्बोज बतौर मुख्यातिथि थे। वीसी ने कहा कि पुस्तकें इंसान की सच्ची मार्गदर्शक हैं, इसलिए ज्यादा से ज्यादा अध्ययन जरूरी है। पुस्तकों में जीवन का सार होता है।

पुस्तकों का अवलोकन करते विवि के वीसी प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज।

उन्होंने पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. बलवान सिंह से कहा कि इस प्रदर्शनी के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा विश्वविद्यालय के शिक्षकों की लिखित पुस्तकों को समय-समय पर प्रदर्शित करें। उन्होंने इस दिवस के मनाने के उद्देश्य पर विचार करते हुए कहा कि इस दिवस के आयोजन का प्रमुख उद्देश्य पठन, प्रकाशन एवं कॉपीराइट को बढ़ावा देना है। अवसर पर पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. बलवान सिंह ने मुख्यातिथि का स्वागत किया और इस प्रदर्शनी के बारे में जानकारी दी। कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी सभी हिदायतों का पालन किया जा रहा है। कार्यक्रम में महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी एवं पुस्तकालय के कर्मचारी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक भास्कर.....

दिनांक 25.4.2021....पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम....5-8.....

एचएयू को ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण मोड्यूल के लिए मिले चार कॉपीराइट

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की मेहनत व प्रयास एक बार फिर रंग लाई है। इस बार एक और बड़ी उपलब्धि एचएयू के नाम जुड़ गई है, इसमें एचएयू के वैज्ञानिकों को ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण के मोड्यूल के लिए एक साथ चार कॉपीराइट मिले हैं। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने बताया कि ये मोड्यूल गणित एवं सांख्यिकी विभाग के प्रोफेसर ओ.पी. श्योराण, डॉ. विनय कुमार और उनके सहयोगी डॉ. मंजू सिंह टोंक, डॉ. रामनिवास, डॉ. सरिता रानी के द्वारा तैयार किए गए हैं।

विवि को इन मोड्यूल के लिए कॉपीराइट मिला है, जो 23 अप्रैल को मनाए जाने वाले विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस के अवसर पर यह संसार के कृषि अनुसंधान क्षेत्र के विद्यार्थियों व वैज्ञानिकों के लिए एक तोहफा है। एचएयू के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने इस उपलब्धि के लिए मोड्यूल तैयार करने वाली पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह विश्वद्यिालय के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि एचएयू के वैज्ञानिकों पर भी गर्व है कि वे निरंतर कुछ बेहतर करने के लिए प्रयासरत हैं। इससे विवि का नाम रोशन हो रहा है और भविष्य में भी टीम भावना से काम करते रहने का आह्वान किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब केसरी.....

दिनांक 24.4.2021...पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....6-8.....

'विश्व पुस्तक दिवस पर एच.ए.यू. की लाइब्रेरी में प्रदर्शनी का आयोजन'

हिसार, 23 अप्रैल (पंकेस): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी में विश्व पुस्तक दिवस के अवसर पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसमें विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज बतौर मुख्यातिथि थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पुस्तकें इंसान की सच्ची मार्गदर्शक हैं, इसलिए ज्यादा से ज्यादा अध्ययन जरूरी है। पुस्तकों में जीवन का सार होता है। अगर कोई इंसान किताबों को ही अपना सच्चा मार्गदर्शक मान ले तो इसमें जीवन की हर समस्या का समाधान मौजूद होता है।

पुस्तक प्रदर्शनी का अवलोकन करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज एवं अन्य।

उन्होंने पुस्तक लिखने से पहले कॉपीराइट एक्ट का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। उन्होंने इस दिवस के मनाने के उद्देश्य पर विचार करते हुए कहा कि इस दिवस के आयोजन का प्रमुख उद्देश्य पठन, प्रकाशन एवं कॉपीराइट को बढ़ावा देना है। पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. बलवान सिंह ने इस प्रदर्शनी के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। कार्यक्रम में महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी एवं पुस्तकालय के कर्मचारी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब केसरी.....

दिनांक 25.4.2021...पृष्ठ संख्या.....3.....कॉलम.....4-8.....

'हकृवि को ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण मोड्यूल के लिए मिले 4 कॉपीराइट'

हिसार, 23 अप्रैल (पंकेस): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों को ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण के मोड्यूल के लिए एक साथ 4 कॉपीराइट मिले हैं। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने बताया कि ये मोड्यूल गणित एवं सांख्यिकी विभाग के प्रो. ओ.पी. श्योराण, डॉ. विनय कुमार और उनके सहयोगी डॉ. मंजू सिंह टोंक, डॉ. रामनिवास, डॉ. सरिता रानी के द्वारा तैयार किए गए हैं।

विश्वविद्यालय को इन मोड्यूल के लिए कॉपीराइट मिला है, जो 23 अप्रैल को मनाए जाने वाले विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस के अवसर पर यह संसार के कृषि अनुसंधान क्षेत्र के विद्यार्थियों व वैज्ञानिकों के लिए एक तोहफा है।

क्लाइंट सर्वर आर्किटैक्चर विधि पर हैं आधारित: गणित एवं सांख्यिकी विभाग के प्रो. ओ.पी. श्योराण ने बताया कि ये मोड्यूल एक्टिव सर्वर पेजिस(ए.एस.पी.) भाषा का उपयोग करते हुए क्लाइंट सर्वर आर्किटेक्चर विधि पर आधारित हैं। इन मोड्यूल का उपयोग इंटरनैट के माध्यम से

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ मोड्यूल तैयार करने वाली टीम ।

कोई भी वैज्ञानिक अनुसंधान में आंकड़ों का विश्लेषण करने के लिए कर सकता है।

कृषि वैज्ञानिकों व शोध विद्यार्थियों के लिए ये मोड्यूल बहुत ही लाभदायक होंगे। वर्तमान समय में अनुसंधान में ऑनलाइन आंकड़ा विश्लेषण की तकनीकों की बहुत अधिक जरूरत है। इसी को ध्यान में रखते हुए इन मोड्यूल को विकसित किया गया है।

औसत के तुलनात्मक एवं किस्मों के वर्गीकरण में होंगे सहायक: मोड्यूल तैयार करने वाली टीम के इंचार्ज ने बताया कि इन मोड्यूल के माध्यम से शोधकर्त्ता कृषि शोध में किन्ही 2 औसतों के अंतर का महत्व पता लगाने में सक्षम होगा। इसके अलावा बहुत अधिक किस्मों को गुण व विशेषताओं के आधार पर वर्गीकरण करने में उपयोगी होंगे। इन मोड्यूल की सहायता से शोधकर्त्ता अपने आंकड़ों का विश्लेषण ऑनलाइन माध्यम से बहुत ही सरलता से कर सकता है।

इनमे से एक मोड्यूल बहुत अधिक किस्मों का एकसाथ तुलनात्मक अध्ययन में सहायक होगा। सस्य विज्ञान एवं पशु विज्ञान के अनुसंधानों का सांख्यिकी विश्लेषण में भी सहायक सिद्ध होंगे। गणित एवं सांख्यिकी के विभागाध्यक्ष डॉ. मंजू सिंह टोंक ने बताया कि इन मोड्यूल की कोडिंग में कोई अपने अनुसार बदलाव नहीं कर सकता। अगर इन मोड्यूल का कोड बदलना है तो इसके लिए विश्वविद्यालय के संबंधित विभाग से लिखित में अनुमति लेनी पड़ती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला.....

दिनांक 25.11.2021...पृष्ठ संख्या.....3.....कॉलम.....3-4.....

एचएयू-लुवास में अब रोस्टर आधार पर 50 प्रतिशत कर्मचारी आएंगे

माई सिटी रिपोर्टर

विवि के पीजी और पीएचडी के सभी विद्यार्थियों को भी घर भेजा, हॉस्टल खाली करवाए

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) और लाला लाजपत राय पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) में लगातार बढ़ रहे कोरोना के मामलों को लेकर चिंता बढ़ गई है। ऐसे में दोनों विश्वविद्यालयों में अब सी और डी ग्रुप के कर्मचारी रोस्टर आधार पर विश्वविद्यालय आएंगे।

विवि प्रशासन के अनुसार, अकेले लुवास में ही हर रोज 3-4 कर्मचारी कोरोना पॉजिटिव पाए जा रहे हैं। यही हाल एचएयू का भी है। ऐसे में विवि प्रशासन ने कर्मचारियों को रोस्टर आधार पर बुलाना शुरू किया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने शुक्रवार को विवि में होने वाली सभी तरह की विभागीय परीक्षाएं भी स्थगित कर दी हैं। लुवास ने विश्वविद्यालय में पीजी और पीएचडी के विद्यार्थियों से भी हॉस्टल खाली करवा लिए हैं। शुक्रवार को इन विद्यार्थियों की ऑफलाइन कक्षाएं भी स्थगित कर दी गईं। ये विद्यार्थी ऑनलाइन कक्षाएं लगाएंगे। इससे पहले विवि प्रशासन ने स्नातक व डिप्लोमा कोर्स के विद्यार्थियों की ऑफलाइन कक्षाएं भी स्थगित कर ऑनलाइन कक्षाएं शुरू कर दी थीं।

> कोरोना चेन को तोड़ना जरूरी है। सभी से अपील है कि सभी हर समय फेस मास्क का प्रयोग करें। नाक और मुंह दोनों को मास्क से ठीक से ढककर रखें। भीड़ से बचें और एक-दूसरे के बीच कम से कम 6 फीट की दूरी बनाए रखें। बार-बार हाथ धोएं और सैनिटाइजर का प्रयोग करें।
>
> -डॉ. गुरदियाल सिंह, कुलपति, लुवास।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक भास्कर.....

दिनांक .25..4..2021...पृष्ठ संख्या.....3.....कॉलम.....5..7.....

कोरोना से बचाव को सावधानी जरूरी: वीसी

भास्कर न्यूज | हिसार

अभियान चला एचएयू कैंपस को भी कराया सेनिटाइज

एचएयू के वीसी प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने कहा कि कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से सावधानी व भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की पालना करना ही मौजूदा समय में एकमात्र बचाव है। इसके लिए हम सभी को स्वयं सतर्क होते हुए दूसरों को भी जागरूक करने की आवश्यकता है।

कुलपति कोरोना महामारी के बढ़ते संक्रमण के खतरे को देखते हुए विश्वविद्यालय के अधिकारियों को विश्वविद्यालय परिसर व बाहरी केंद्रों पर इससे निपटने के लिए दिशा-निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि कहा कि विश्वविद्यालय के जिस भी कार्यालय में कोरोना संक्रमित कोई कर्मचारी मिलता है तो संबंधित कार्यालय को तुरंत सेनेटाइज करवाएं और सभी कर्मचारियों को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों की पालना करने को कहें। उन्होंने छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया को निर्देश दिया कि वे विश्वविद्यालय परिसर में किसी भी कर्मचारी या उसके परिजन के कोरोना संक्रमित होने पर विश्वविद्यालय के कैंपस अस्पताल के डॉक्टरों की टीम को लगातार उस कर्मचारी या परिजनों से संपर्क बनाए रखने को कहें ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। साथ ही संबंधित क्षेत्र को समय-समय पर सेनेटाइज भी करवाते रहें। उन्होंने विश्वविद्यालय के अधिष्ठाताओं, निदेशकों व अधिकारियों को निर्देश दिया कि विश्वविद्यालय परिसर में सेनेटाइजेशन, सामाजिक दूरी व मास्क के लिए लोगों को जागरूक करने के लिए एक अभियान चलाएं ताकि लोगों में जागरूकता आए और कोरोना महामारी के लापरवाही न बरतें। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय के सभी कॉलेजों व कार्यालयों में सेनेटाइजेशन अभियान चलाया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........ दैनिक सवेरा ....

दिनांक 25.4.2021 ....पृष्ठ संख्या.... 3 ....कॉलम..... 7-8 ....

हकृवि कुलपति ने कोरोना संक्रमण पर अधिकारियों को किया आगाह

प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

हिसार, 24 अप्रैल (सुरेंद्र सोढी) :चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से सावधानी व भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की पालना करना ही मौजूदा समय में एकमात्र बचाव है। इसके लिए हम सभी को स्वयं सतर्क होते हुए दूसरों को भी जागरूक करने की आवश्यकता है।

कुलपति कोरोना महामारी के बढ़ते संक्रमण के खतरे को देखते हुए विश्वविद्यालय के अधिकारियों को विश्वविद्यालय परिसर व बाहरी केंद्रों पर इससे निपटने के लिए दिशा-निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि कहा कि विश्वविद्यालय के जिस भी कार्यालय में कोरोना संक्रमित कोई कर्मचारी मिलता है तो संबंधित कार्यालय को तुरंत सैनेटाइज करवाएं और सभी कर्मचारियों को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों की पालना करने को कहें। उन्होंने छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया को निर्देश दिया कि वे विश्वविद्यालय परिसर में किसी भी कर्मचारी या उसके परिजन के कोरोना संक्रमित होने पर विश्वविद्यालय के कैंपस अस्पताल के डाक्टरों की टीम को लगातार उस कर्मचारी या परिजनों से संपर्क बनाए रखने को कहें ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। साथ ही विश्वविद्यालय के बाहरी अनुसंधान व कृषि विज्ञान केंद्रों पर भी भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा जारी हिदायतों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए।

किसानों से भी की मार्मिक अपील

कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने हुए कहा कि किसान चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के परिवार का हिस्सा हैं और यह विश्वविद्यालय किसानों के हित व उत्थान के लिए समर्पित है। उन्होंने किसानों व आमजन से अपील करते कहा कि कोरोना के बढ़ते संक्रमण से अपने व परिजनों के बचाव के लिए केंद्र व राज्य सरकार द्वारा मास्क, सामाजिक दूरी, सेनेटाइजेशन जैसी हिदायतों का विशेष ध्यान रखें।

विश्वविद्यालय में चलाया सैनेटाइजेशन अभियान

उन्होंने बताया कि इसी कड़ी में विश्वविद्यालय के सभी कालेजों व कार्यालयों में सेनेटाइजेशन अभियान चलाया गया। उन्होंने विश्वविद्यालय के सुरक्षा विभाग के अधिकारियों से भी सख्ती बरतते हुए विश्वविद्यालय परिसर में बाहरी व्यक्तियों के अनावश्यक आवागमन पर भी पाबंदी लगाने के लिए निर्देश दिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....दैनिक जागरण....

दिनांक .25.4.2021..पृष्ठ संख्या.....1.........कॉलम.....2........

संक्रमण से बचाव के लिए नियमों का करें पालन

कोरोना के बढ़ते संक्रमण के मद्देनजर एचएयू के कुलपति डा. बीआर कांबोज ने विवि अधिकारियों को दिए दिशा-निर्देश

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा कि कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से सावधानी व भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की पालना करना ही मौजूदा समय में एकमात्र बचाव है। इसके लिए हम सभी को स्वयं सतर्क होते हुए दूसरों को भी जागरूक करने की आवश्यकता है। कुलपति कोरोना महामारी के बढ़ते संक्रमण के खतरे को देखते हुए विश्वविद्यालय के अधिकारियों को विश्वविद्यालय परिसर व बाहरी केंद्रों पर इससे निपटने के लिए दिशा-निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि कहा कि विश्वविद्यालय के जिस भी कार्यालय में कोरोना संक्रमित कोई कर्मचारी मिलता है तो संबंधित कार्यालय को तुरंत सैनिटाइज करवाएं और सभी कर्मचारियों को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों की पालना करने को कहें। उन्होंने छात्र कल्याण निदेशक डा. देवेंद्र सिंह दहिया को निर्देश दिया कि वे विश्वविद्यालय परिसर में किसी भी कर्मचारी या उसके परिजन के कोरोना संक्रमित होने पर विश्वविद्यालय के कैंपस अस्पताल के डॉक्टरों की टीम को लगातार उस कर्मचारी या परिजनों से संपर्क बनाए रखने को कहें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब केसरी.....

दिनांक 25.4.2021...पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....3-4.....

'हकृवि में बाहरी व्यक्तियों के अनावश्यक आवागमन पर पाबंदी'

हिसार, 24 अप्रैल (पंकेस): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में बाहरी व्यक्तियों के अनावश्यक आवागमन पर पाबंदी लगा दी है। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने विश्वविद्यालय के सुरक्षा विभाग के अधिकारियों से सख्ती बरतने के निर्देश दिए। कुलपति ने कहा कि कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से सावधानी व भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की पालना करना ही मौजूदा समय में एकमात्र बचाव है। इसके लिए हम सभी को स्वयं सतर्क होते हुए दूसरों को भी जागरूक करने की आवश्यकता है।

कुलपति ने कोरोना महामारी के बढ़ते संक्रमण के खतरे को देखते हुए विश्वविद्यालय के अधिकारियों को विश्वविद्यालय परिसर व बाहरी केंद्रों पर इससे निपटने के लिए दिशा-निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि कहा कि विश्वविद्यालय के जिस भी कार्यालय में कोरोना संक्रमित कोई कर्मचारी मिलता है तो संबंधित कार्यालय को तुरंत सैनिटाइज करवाएं। उन्होंने छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया को निर्देश दिया कि वे विश्वविद्यालय परिसर में किसी भी कर्मचारी या उसके परिजन के कोरोना संक्रमित होने पर विश्वविद्यालय के कैंपस अस्पताल के डॉक्टरों की टीम को लगातार उस कर्मचारी या परिजनों से संपर्क बनाए रखने को कहें, ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। उन्होंने बताया कि इसी कड़ी में विश्वविद्यालय के सभी कॉलेजों व कार्यालयों में सैनिटाइजेशन अभियान चलाया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....समय उजाला.....

दिनांक 25.4.2021....पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....1.2.....

कृषि विशेषज्ञ की सलाह

डॉ. एसके सहरावत

कपास के बढ़िया फुटाव के लिए सही ढंग से करें पूरे खेत की तैयारी

कपास की बिजाई इस माह के अंत तक पूरी कर लें। नरमा की उन्नत किस्में और देसी कपास की सिफारिशशुदा किस्में ही बोएं। कपास से बढ़िया फुटाव के लिए पूरे खेत की तैयारी सही ढंग से करनी जरूरी है। पहली जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से करनी चाहिए। इसके बाद आवश्यकतानुसार 3-4 जुताई करें। बिजाई के समय खेत में तर बत्तर (गीली आल) का होना जरूरी है। इसके लिए खेत में अच्छा पलेवा करें। गीले बत्तर में दो जुताई करके सुहागा लगाएं व खेत को एकसार कर लें। खेत में पौधों की सही संख्या के लिए बीज की सही मात्रा प्रयोग में लाएं व बीज उपचार करके ही बिजाई करें। नरमें का रोयें रहित 6-8 किलो व रोएं युक्त 8-10 किलो बीज प्रति एकड़ प्रयोग करें। देसी कपास में 5 किलो बीज काफी रहता है। संकर किस्मों का रोएं उतरा बीज 1.2 से 1.5 किलो प्रति एकड़ प्रयोग करें। बीटी संकर किस्मों का 850 ग्राम बीज प्रति एकड़ प्रयोग करें। बीज को 4 से 5 सेंटीमीटर गहरा बोएं।

डॉ. एसके सहरावत
अनुसंधान निदेशक
एचएयू, हिसार।

नरमा की मुख्य किस्में एचएस 6, एच 1117 व एच 1226, एच 1098 संशोधित, एच 1236, एच 1300, नरमा की संकर किस्में एचएचएच 223 व एचडी 432 तथा संकर नरमा में देसी की एएएच वन प्रमुख हैं। बीटी व संकर किस्मों को 67.5-60 सेंटीमीटर के फासले पर बीजें या कतार से कतार की दूरी 100 सेंटीमीटर व पौधे से पौधे की दूरी 45 सेंटीमीटर रखें व अन्य किस्मों में कतार कतार से कतार की दूरी 67.5 सेंटीमीटर व पौधे से पौधे की दूरी 30 सेंटीमीटर रखें। बीजने के लिए यदि रोएं उतारे हुए बीज न मिलें तो रोंएदार (साधारण) बीज को बोने से पहले बारीक मिट्टी, गोबर या राख से रगड़ लेना चाहिए, ताकि ड्रिल में से बीज एकसार निकलें। बिजाई कपास बीजने वाली एक खूड़ वाली ड्रिल से कतारों में करें।

(संदीप बिश्नोई, हिसार)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला.....

दिनांक 25.4.2021...पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....7-8.....

बीज उत्पादन पर महामारी का प्रकोप, उत्पादन और किसान की आय घटेगी

माई सिटी रिपोर्टर

एचएयू ने खेती में जारी की रिपोर्ट

हरियाणा में रोगिंग प्रक्रिया कम होना है इसकी मुख्य वजह

हिसार। कोरोना महामारी का दुष्प्रभाव कृषि अर्थव्यवस्था के बीज उत्पादन क्षेत्र पर भी पड़ा है। एक वर्ष से लगातार चल रहे कोरोना संकट के बीच श्रमिकों की कमी के कारण फसलों में रोगिंग प्रक्रिया बुरी तरह से प्रभावित हुई। रोगिंग बीज उत्पादन के दौरान अनुवांशिक शुद्धता को कायम रखने की महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जिसमें दूसरी किस्मों के पौधों, बीमारी वाले पौधों व खरपतवार के पौधों को खेत से निकाला जाता है। यह कार्य फसल की प्रारंभिक अवस्था से फसल पकने तक चरणबद्ध तरीके से किया जाता है। मगर पिछले एक वर्ष से कोरोना संकट के बीच श्रमिक नहीं मिल पाने के कारण अच्छे बीज के उत्पादन में कमी आई है, जिस कारण फसलों का उत्पादन और किसानों की आय घटेगी।

इस संबंध में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने हरियाणा खेती में एक रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट में कोरोना की वजह से बीज उत्पादक सामग्री और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी होने की वजह से बीज की कीमतों में भी बढ़ोतरी होने की आशंका जताई गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि बीज प्रमाणीकरण संस्था व बीज उत्पादन संस्थाएं समय-समय पर अपने अनुबंधित बीज उत्पादक किसानों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का भी आयोजन करती हैं। मगर कोरोना महामारी के चलते इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों को या तो स्थगित करना पड़ा या बंद करना पड़ा। जिससे बीज की गुणवत्ता में कमी आएगी।

उन्नत बीज से 10-20 प्रतिशत बढ़ती है पैदावार

रिपोर्ट के अनुसार, श्रमिकों के उपलब्ध न होने से केवल रोगिंग प्रक्रिया ही प्रभावित नहीं हुई, बल्कि बीज उत्पादन की अन्य क्रियाओं जैसे- सिंचाई, खरपतवार नियंत्रण, उर्वरक प्रबंधन, पौध संरक्षण, कटाई एवं कढ़ाई आदि में देरी हुई है, जिसके परिणामस्वरूप बीज उत्पादन और बीज गुणवत्ता दोनों में कमी आएगी। वैज्ञानिकों ने कहा है कि कृषि शोध द्वारा यह प्रमाणित है कि केवल साधारण बीज के मुकाबले उन्नत बीज का प्रयोग करने से लगभग 10-20 प्रतिशत तक पैदावार बढ़ाई जा सकती है। अब उन्नत बीज उपलब्ध नहीं होने की वजह से कुल उत्पादन में कमी आएगी और किसानों की आय घटेगी, क्योंकि बीज सीधे तौर पर कृषि अर्थव्यवस्था से जुड़ा है।

ये रिपोर्ट महामारी की वजह से खेती पर पड़ने वाले असर को परिभाषित करती है। रिपोर्ट को लेकर कृषि सेक्टर की विकास दर पर भी असर पड़ेगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
देश बंधु	25.04.2021	--	--

कोरोना के बढ़ते संक्रमण के मद्देनजर एचएयू कुलपति ने विश्वविद्यालय के अधिकारियों को दिए दिशा-निर्देश

हिसार(एस.जैन)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से सावधानी व भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की पालना करना ही मौजूदा समय में एकमात्र बचाव है। इसके लिए हम सभी को स्वयं सतर्क होते हुए दूसरों को भी जागरूक करने की आवश्यकता है। कुलपति महोदय कोरोना महामारी के बढ़ते संक्रमण के खतरे को देखते हुए विश्वविद्यालय के अधिकारियों को विश्वविद्यालय परिसर व बाहरी केंद्रों पर इससे निपटने के लिए दिशा-निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि कहा कि विश्वविद्यालय के जिस भी कार्यालय में कोरोना संक्रमित कोई कर्मचारी मिलता है तो संबंधित कार्यालय को तुरंत सेनेटाइज करवाएं और सभी कर्मचारियों को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों की पालना करने को कहें। उन्होंने छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया को निर्देश दिया कि वे विश्वविद्यालय परिसर में किसी भी कर्मचारी या उसके परिजन के कोरोना संक्रमित होने पर विश्वविद्यालय के कैंपस अस्पताल के डॉक्टरों की टीम को लगातार उस कर्मचारी या परिजनों से संपर्क बनाए रखने को कहें ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। साथ ही संबंधित क्षेत्र को

समय-समय पर सेनेटाइज भी करवाते रहें। उन्होंने विश्वविद्यालय के अधिष्ठाताओं, निदेशकों व अधिकारियों को निर्देश दिया कि विश्वविद्यालय परिसर में सेनेटाइजेशन, सामाजिक दूरी व मास्क के लिए लोगों को जागरूक करने के लिए एक अभियान चलाएं ताकि लोगों में जागरूकता आए और कोरोना महामारी के लापरवाही न बरतें। साथ ही विश्वविद्यालय के बाहरी अनुसंधान व कृषि विज्ञान केंद्रों पर भी भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा जारी हिदायतों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए। कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने हुए कहा कि किसान चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के परिवार का हिस्सा है और यह विश्वविद्यालय किसानों के हित व उत्थान के लिए समर्पित है। उन्होंने किसानों व आमजन से अपील करते कहा कि कोरोना के बढ़ते संक्रमण से अपने व परिजनों के बचाव के लिए केंद्र व राज्य सरकार द्वारा मास्क, सामाजिक दूरी, सेनेटाइजेशन जैसी हिदायतों का विशेष ध्यान रखें।

उन्होंने बताया कि इसी कड़ी में विश्वविद्यालय के सभी कॉलेजों व कार्यालयों में सेनेटाइजेशन अभियान चलाया गया। उन्होंने विश्वविद्यालय के सुरक्षा विभाग के अधिकारियों से भी सख्ती बरतते हुए विश्वविद्यालय परिसर में बाहरी व्यक्तियों के अनावश्यक आवागमन पर भी पाबंदी लगाने के लिए निर्देश दिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूं	25.04.2021	--	--

पुस्तकें इंसान की सच्ची मार्गदर्शक, अधिक से अधिक करें अध्ययन: कुलपति

■ विश्व पुस्तक दिवस पर एचएयू की लाइब्रेरी में प्रदर्शनी का आयोजन

हिसार (सच कहूँ न्यूज)। यहां के हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी में विश्व पुस्तक दिवस के अवसर पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. कांबोज मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति ने कहा कि पुस्तकें इंसान की सच्ची मार्गदर्शक हैं, इसलिए इनका ज्यादा से ज्यादा अध्ययन जरूरी है। पुस्तकों में जीवन का सार होता है। अगर कोई इंसान किताबों को ही अपना सच्चा मार्गदर्शक मान ले तो इसमें जीवन की हर समस्या का समाधान मौजूद होता है। उन्होंने इस दौरान पुस्कालयाध्यक्ष प्रोफेसर बलवान सिंह से कहा कि इस प्रदर्शनी के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा विश्वविद्यालय के शिक्षकों की लिखित पुस्तकों को समय-समय पर प्रदर्शित करें ताकि आने वाली पीढ़ी इनसे प्रेरणा ले और आगे बढ़े। इस दिवस की शुरूआत प्रथम बार 1995 में की गई थी। इस दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय के शिक्षकों की पुस्तकों के बारे में सारांश के तौर पर ऑनलाइन माध्यम से विद्यार्थियों को परिचित कराने की अपील की ताकि विद्यार्थी ज्यादा से ज्यादा इनकी तरफ आकर्षित हो सकें और प्रेरणा ले सकें। इसी के चलते कार्यक्रम में सामाजिक दूरी, सेनेटाइजेशन व मास्क का विशेष ध्यान रखा गया। कार्यक्रम में महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी एवं पुस्तकालय के कर्मचारी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	24.04.2021	--	--

सावधानी व नियमों की पालना ही महामारी का एकमात्र बचाव : कुलपति

हिसार/24 अप्रैल/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर कम्बोज ने कहा कि कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से सावधानी व भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की पालना करना ही मौजूदा समय में एकमात्र बचाव है। इसके लिए हम सभी को स्वयं सतर्क होते हुए दूसरों को भी जागरूक करने की आवश्यकता है। कुलपति कोरोना महामारी के बढ़ते संक्रमण के खतरे को देखते हुए विश्वविद्यालय के अधिकारियों को विश्वविद्यालय परिसर व बाहरी केंद्रों पर इससे निपटने के लिए निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि कहा कि विश्वविद्यालय के जिस भी कार्यालय में कोरोना संक्रमित कोई कर्मचारी मिलता है तो संबंधित कार्यालय को तुरंत सैनेटाइज करवाएं और सभी कर्मचारियों को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों की पालना करने को कहें। उन्होंने छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया को निर्देश दिया कि वे विश्वविद्यालय परिसर में किसी भी कर्मचारी या उसके परिजन के कोरोना संक्रमित होने पर विश्वविद्यालय के कैंपस अस्पताल के डॉक्टरों की टीम को लगातार उस कर्मचारी या परिजनों से संपर्क बनाए रखने को कहें ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। साथ ही संबंधित क्षेत्र को समय-समय पर सैनेटाइज भी करवाते रहें। उन्होंने निर्देश दिया कि विश्वविद्यालय परिसर में सैनेटाइजेशन, सामाजिक दूरी व मास्क के लिए लोगों को जागरूक करने के लिए एक अभियान चलाएं ताकि लोग कोरोना महामारी के लापरवाही न बरतें। उन्होंने बताया कि इसी कड़ी में सैनेटाइजेशन अभियान भी चलाया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूं	24.04.2021	--	--

हकृवि को ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण मोड्यूल के लिए मिले चार कॉपीराइट

■ वैज्ञानिकों की इस उपलब्धि के लिए कुलपति प्रोफेसर बी.आर. कांबोज ने दी बधाई

सच कहूं/संदीप सिंहमार

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की मेहनत व अनवरत प्रयास एक बार फिर रंग लाए हैं। इस बार एक और उपलब्धि विश्वविद्यालय के नाम जुड़ गई है, जिसमें विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों को ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण के मोड्यूल के लिए एक साथ चार कॉपीराइट मिले हैं। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने बताया कि ये मोड्यूल गणित एवं सांख्यिकी विभाग के प्रोफेसर ओपी श्योराण, डॉ. विनय कुमार और उनके सहयोगी डॉ. मंजू सिंह टोंक, डॉ. रामनिवास, डॉ. सरिता रानी द्वारा तैयार किए गए हैं। विश्वविद्यालय को इन मोड्यूल के लिए कॉपीराइट मिला है, जो 23 अप्रैल को मनाए जाने वाले विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस के अवसर पर यह संसार के कृषि अनुसंधान क्षेत्र के विद्यार्थियों व वैज्ञानिकों के लिए एक तोहफा है।

इन मोड्यूल में नहीं कर सकता कोई बदलाव

गणित एवं सांख्यिकी के विभागाध्यक्ष डॉ. मंजू सिंह टोंक ने बताया कि इन मोड्यूल की कोडिंग में कोई अपने अनुसार बदलाव नहीं कर सकता। अगर इन मोड्यूल का कोड बदलना है तो इसके लिए विश्वविद्यालय के संबंधित विभाग से लिखित में अनुमति लेनी पड़ती है।

विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात: कांबोज

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर कांबोज ने इस उपलब्धि के लिए मोड्यूल तैयार करने वाली पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों पर भी गर्व है कि वे निरंतर कुछ बेहतर करने के लिए प्रयासरत हैं। इससे विश्वविद्यालय का नाम रोशन हो रहा है और भविष्य में भी इसी प्रकार टीम भावना से काम करते रहने का आह्वान किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैला हिसार न्यूज	25.04.2021	--	--

हकृवि को ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण मोड्यूल के लिए मिले चार कॉपीराइट, कुलपति ने दी वैज्ञानिकों को बधाई

हैलो हिसार न्यूज

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की मेहनत व अनवरत प्रयास एक बार फिर रंग लाई है। इस बार एक ओर उपलब्धि विश्वविद्यालय के नाम जुड़ गई है, जिसमें विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों को ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण के मोड्यूल के लिए एक साथ चार कॉपीराइट मिले हैं। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने बताया कि ये मोड्यूल गणित एवं सांख्यिकी विभाग के प्रोफेसर ओ.पी. श्योराण, डॉ. विनय कुमार और उनके सहयोगी डॉ. मंजू सिंह टोंक, डॉ. रामनिवास, डॉ. सरिता

रानी के द्वारा तैयार किए गए हैं। विश्वविद्यालय को इन मोड्यूल के लिए कॉपीराइट मिला है, जो 23 अप्रैल को मनाए जाने वाले विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस के अवसर पर यह संसार के कृषि अनुसंधान क्षेत्र के विद्यार्थियों व वैज्ञानिकों के लिए एक तोहफा है।

क्लाइंट सर्वर आर्किटेक्चर विधि पर हैं आधारित

गणित एवं सांख्यिकी विभाग के प्रोफेसर ओ.पी. श्योराण ने बताया कि ये मोड्यूल एक्टिव सर्वर पेजिस(ए.एस.पी.) भाषा का उपयोग करते हुए क्लाइंट सर्वर आर्किटेक्चर विधि पर आधारित हैं। इन मोड्यूल का उपयोग इंटरनेट के माध्यम से कोई भी वैज्ञानिक अनुसंधान में आंकड़ों का विश्लेषण करने के लिए कर सकता है। कृषि वैज्ञानिकों व शोध विद्यार्थियों के लिए ये मोड्यूल बहुत ही लाभदायक होंगे। वर्तमान समय में अनुसंधान में ऑनलाइन आंकड़ा विश्लेषण की तकनीकों की बहुत अधिक जरूरत है। इसी को ध्यान में रखते हुए इन मोड्यूल को विकसित किया गया है।

औसत के तुलनात्मक एवं किस्मों के वर्गीकरण में होंगे सहायक

मोड्यूल तैयार करने वाली टीम के इंचार्ज ने बताया कि इन मोड्यूल के माध्यम से शोधकर्ता कृषि शोध में किन्हीं दो औसतों के अंतर का महत्व पता लगाने में सक्षम होगा। इसके अलावा बहुत अधिक किस्मों को गुण व विशेषताओं के आधार पर वर्गीकरण करने में उपयोगी होंगे। इन मोड्यूल की सहायकता से शोधकर्ता अपने आंकड़ों का विश्लेषण ऑनलाइन माध्यम से बहुत ही सरलता से कर सकता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......अमर उजाला......
दिनांक 23.-.4.-.2021....पृष्ठ संख्या......2......कॉलम......1-5......

प्राकृतिक संसाधनों के दोहन से हो रहा पर्यावरण में असंतुलन : प्रो. कांबोज

माई सिटी रिपोर्टर

विश्व पृथ्वी दिवस पर विश्वविद्यालय के किसान छात्रावास परिसर में किया पौधरोपण

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) के कुलपति प्रोफेसर बीआर कांबोज ने कहा कि पृथ्वी सभी जीवों का पोषण करती है। प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन के कारण पर्यावरण में असंतुलन बढ़ रहा है, जिसकी वजह से स्थिति दयनीय होती जा रही है। ऐसे में हमें पृथ्वी के प्रति अपने कर्तव्यों को समझना पड़ेगा और इसे बेहतर बनाने में योगदान देना होगा। वे विश्व पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय के किसान छात्रावास परिसर में वीरवार को पौधरोपण करने के बाद उपस्थित को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन भू-दृश्य इकाई के नियंत्रण अधिकारी डॉ. देवेंद्र दहिया की देखरेख में किया गया।

प्रोफेसर बीआर कांबोज ने बताया कि पहली बार 22 अप्रैल 1970 को विश्व पृथ्वी दिवस मनाया गया था। इस वर्ष की थीम पृथ्वी को पुनः स्थापित करना रखा गया है। पृथ्वी को स्वस्थ व पहले की तरह बनाने के लिए हम सभी को अपनी धरती को हरा-भरा और बेहतर बनाने का संकल्प लेना पड़ेगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी एवं अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

कृषि वैज्ञानिकों की सिफारिशों के अनुसार करें कपास की बिजाई : कुलपति

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। कपास की बिजाई किसान विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की सिफारिशों अनुसार करें, ताकि उनको अपनी फसल की अच्छी पैदावार मिले और अधिक मुनाफा हो। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने वीरवार को जारी बयान में कही।

उन्होंने कहा कि गत वर्ष जिन किसानों ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की सिफारिशों अनुसार फसल की बिजाई की थी, उनकी फसलों में बीमारियों का असर अन्य फसलों की तुलना में बहुत कम था। समय-समय पर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक भी किसानों से सोशल मीडिया, प्रिंट मीडिया व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से संपर्क में रहेंगे।

इसके लिए प्रदेश का कृषि विभाग एवं एचएयू के वैज्ञानिक संयुक्त रूप से एक जागरूकता अभियान भी जिलेवार चला रहे हैं। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत के अनुसार 28 अप्रैल तक चलने वाले अभियान को सफल बनाने के लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की एक टीम गठित कर दी गई है। टीम में विश्वविद्यालय की ओर से आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग से सहायक वैज्ञानिक डॉ. सोमवीर, सहायक सस्य विज्ञानी डॉ. करमल सिंह, प्लांट पैथोलोजिस्ट डॉ. मनमोहन सिंह, कीट विज्ञानी डॉ. अनिल को शामिल किया गया है।

विश्व पृथ्वी दिवस पर पौधरोपण करते कुलपति प्रोफेसर बीआर कांबोज एवं अन्य।

ये रहेंगे टीम में शामिल

टीम में एक मृदा वैज्ञानिक और प्लांट पैथोलॉजिस्ट भी शामिल होंगे, जो मिट्टी की जांच आदि की जानकारी देंगे। इसके अलावा कृषि विभाग से जुड़े सभी अधिकारी, एटीएम, बीटीएम एवं कृषि सुपरवाइजर को इस प्रशिक्षण में प्रशिक्षित किया जाएगा। कपास अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. ओमेंद्र सांगवान ने बताया कि कपास अनुभाग के वैज्ञानिक लगातार कपास फसल में पैराविल्ट, पोषक तत्वों की कमी, सूखे के कारण कपास फसल के सूखने के कारणों का पता लगाएंगे और इनके निदान की संभावनाएं तलाशेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक सवेरा.....

दिनांक 24.4.2021...पृष्ठ संख्या.....3.....कॉलम....4-6.....

हकृवि को ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण मॉड्यूल के लिए मिले चार कॉपीराइट

● वैश्वानिकों की इस उपलब्धि के लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफैसर बी.आर. काम्बोज ने दी बधाई

हिसार, 23 अप्रैल (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैश्वानिकों की मेहनत व अनवरत प्रयास एक बार फिर रंग लाई है। इस बार एक ओर उपलब्धि विश्वविद्यालय के नाम जुड़ गई है, जिसमें विश्वविद्यालय के वैश्वानिकों को ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण के मोड्यूल के लिए एक साथ चार कॉपीराइट मिले हैं। मौलिक विश्वान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. राजवीर सिंह ने बताया कि ये मोड्यूल गणित एवं सांख्यिकी विभाग के प्रोफैसर ओ.पी. श्योराण, डा. विनय कुमार और उनके सहयोगी डा. मंजू सिंह टोंक, डा. रामनिवास, डा. सरिता रानी के द्वारा तैयार किए गए हैं। विश्वविद्यालय को इन मोड्यूल के लिए कॉपीराइट मिला है, जो 23 अप्रैल को मनाए जाने वाले विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस के अवसर पर यह संसार के कृषि अनुसंधान क्षेत्र के विद्यार्थियों व वैश्वानिकों के लिए एक तोहफा है। गणित एवं सांख्यिकी विभाग के प्रोफैसर ओ.पी. श्योराण ने बताया कि ये मोड्यूल एक्टिव सर्वर पेजिस(ए.एस.पी.) भाषा का उपयोग करते हुए क्लाइंट सर्वर आर्किटैक्चर विधि पर आधारित हैं। इन मोड्यूल का उपयोग इंटरनैट के माध्यम से कोई भी वैश्वानिक अनुसंधान में आंकड़ों का विश्लेषण करने के लिए कर सकता है।

विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात : कुलपति

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफैसर बी.आर. काम्बोज ने इस उपलब्धि के लिए मोड्यूल तैयार करने वाली पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह विश्वद्यिालय के लिए गौरव की बात है। चित्र परिचय 23 हिसार 10: कुलपति प्रोफैसर बी.आर. काम्बोज के साथ मोड्यूल तैयार करने वाली टीम।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक जागरण........

दिनांक 25.4.2021 पृष्ठ संख्या......2......कॉलम......6......

एचएयू को ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण मोड्यूल के लिए मिले चार कॉपीराइट

जासं, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की मेहनत व अनवरत प्रयास एक बार फिर रंग लाई है। इस बार एक ओर उपलब्धि विश्वविद्यालय के नाम जुड़ गई है, जिसमें विश्वविद्यालय के विज्ञानियों को ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण के मोड्यूल के लिए एक साथ चार कॉपीराइट मिले हैं। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. राजवीर सिंह ने बताया कि ये मोड्यूल गणित एवं सांख्यिकी विभाग के प्रो. ओपी श्योराण, डा. विनय कुमार और उनके सहयोगी डा. मंजू सिंह टोंक, डा. रामनिवास, डा. सरिता रानी के द्वारा तैयार किए गए हैं। विश्वविद्यालय को इन मोड्यूल के लिए कॉपीराइट मिला है, जो 23 अप्रैल को मनाए जाने वाले विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस के अवसर पर यह संसार के कृषि अनुसंधान क्षेत्र के विद्यार्थियों व विज्ञानियों के लिए एक तोहफा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक जागरण.....

दिनांक 24.4.2021.....पृष्ठ संख्या.....3.....कॉलम.....1.....

'पुस्तकें इंसान की सच्ची मार्गदर्शक'

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी में विश्व पुस्तक दिवस के अवसर पर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज बतौर मुख्यातिथि रहे उन्होंने कहा कि पुस्तकें इंसान की सच्ची मार्गदर्शक हैं, इसलिए ज्यादा से ज्यादा अध्ययन जरूरी है। पुस्तकों में जीवन का सार होता है। अगर कोई इंसान किताबों को ही अपना सच्चा मार्गदर्शक मान ले तो इसमें जीवन की हर समस्या का समाधान मौजूद होता है। उन्होंने इस दौरान पुस्तकालयाध्यक्ष प्रोफेसर बलवान सिंह से कहा कि इस प्रदर्शनी के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा विश्वविद्यालय के शिक्षकों की लिखित पुस्तकों को समय-समय पर प्रदर्शित करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला.....

दिनांक 25.4.2021....पृष्ठ संख्या.....3.....कॉलम.....4.....

सतर्कता

कोरोना पॉजिटिव मिलने पर विवि के कर्मचारियों या परिजनों के संपर्क में रहेंगे विवि कैंपस के चिकित्सक

एचएयू में आमजन का प्रवेश बंद, आईकार्ड के साथ जा सकेंगे कर्मी

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। लगातार बढ़ रहे कोरोना संक्रमण के बीच चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आम लोगों का प्रवेश बंद कर दिया है।

केवल विवि के कर्मचारी, विद्यार्थी और कैंपस के निवासी ही बालसमंद रोड पर स्थित गेट नंबर एक से आवागमन कर सकेंगे और इसके लिए गेट पर उनके पास आई कार्ड या वाहन पर गेट पास का लगा होना अनिवार्य होगा। हालांकि इन लोगों के लिए गेट नंबर 2 और 4 भी सीमित समय के लिए खुला रखा जाएगा जिसका समय सुबह साढ़े 8 से साढ़े 9 बजे और शाम को साढ़े 4 बजे से साढ़े 5 बजे तक रखा गया है। सरकारी वाहनों का प्रवेश गेट नंबर 3 से होगा।

एचएयू में सैनिटाइजेशन अभियान के तहत भवन को सैनिटाइज करता कर्मचारी।

लाइब्रेरी और हॉस्टल बंद

विवि प्रशासन ने लाइब्रेरी, हॉस्टलों, फैकल्टी हाउस, फैकल्टी क्लब, किसान आश्रम में ठहरने को लेकर भी आगामी आदेशों तक पाबंदियां लगा दी हैं। हालांकि जरूरत पड़ने पर सामाजिक दूरी को ध्यान में रखते हुए सीमित क्षमता के साथ ठहराव हो सकता है। फैकल्टी हाउस में खाने की सर्विस को बंद कर दिया गया है। हालांकि पूरे कोविड प्रोटोकॉल के साथ कमरे में डाइनिंग सर्विस दी जा सकती है।

“ सुरक्षा विभाग के अधिकारियों से सख्ती बरतते हुए विश्वविद्यालय परिसर में बाहरी व्यक्तियों के अनावश्यक आवागमन पर भी पाबंदी लगाने के लिए निर्देश दिए हैं। वहीं, विवि कैंपस को सैनिटाइज करवाया जा रहा है। मैं विवि परिवार के लोगों, किसानों व आमजन से आह्वान करता हूं कि कोरोना के बढ़ते संक्रमण से अपने व परिजनों के बचाव के लिए केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी मास्क, सामाजिक दूरी, सैनिटाइजेशन जैसी हिदायतों का विशेष ध्यान रखें।

- प्रो. बीआर कंबोज, कुलपति, एचएयू हिसार।

जहां कोरोना पॉजिटिव मिले, तुरंत सैनिटाइज हो कार्यालय

विवि के कुलपति प्रो. बीआर कंबोज ने कहा कि विश्वविद्यालय के जिस भी कार्यालय में कोरोना संक्रमित कोई कर्मचारी मिलता है तो संबंधित कार्यालय को तुरंत सैनिटाइज करवाएं। विश्वविद्यालय परिसर में किसी भी कर्मचारी या उसके परिजन के कोरोना संक्रमित होने पर विश्वविद्यालय के कैंपस अस्पताल के डॉक्टरों की टीम लगातार उस कर्मचारी या परिजनों से संपर्क बनाए रखेगी, ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। साथ ही संबंधित क्षेत्र को समय-समय पर सैनिटाइज भी करवाया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक सवेरा.....

दिनांक 24.4.2021...पृष्ठ संख्या.....3.....कॉलम.....1-2.....

विश्व पुस्तक दिवस पर एचएयू की लाइब्रेरी में प्रदर्शनी

पुस्तकों का अवलोकन करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफैसर बी.आर. काम्बोज एवं अन्य।

हिसार, (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी में विश्व पुस्तक दिवस के अवसर पर शुक्रवार को एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफैसर बी.आर. काम्बोज बतौर मुख्यातिथि थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति ने कहा कि पुस्तकें इंसान की सच्ची मार्गदर्शक हैं, इसलिए ज्यादा से ज्यादा अध्ययन जरूरी है। उन्होंने इस दौरान पुस्कालयाध्यक्ष प्रोफैसर बलवान सिंह से कहा कि इस प्रदर्शनी के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा विश्वविद्यालय के शिक्षकों की लिखित पुस्तकों को समय-समय पर प्रदर्शित करें ताकि आने वाली पीढ़ी इनसे प्रेरणा ले और आगे बढ़े। उन्होंने पुस्तक लिखने से पहले कॉपीराइट एक्ट का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी ताकि भविष्य में किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। उन्होंने इस दिवस के मनाने के उद्देश्य पर विचार करते हुए कहा कि इस दिवस के आयोजन का प्रमुख उद्देश्य पठन, प्रकाशन एवं कॉपीराइट को बढ़ावा देना है। इस दिवस की शुरूआत प्रथम बार 1995 में की गई थी। इस दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय के शिक्षकों की पुस्तकों के बारे में सारांश के तौर पर ऑनलाइन माध्यम से विद्यार्थियों को परिचित कराने की अपील की ताकि विद्यार्थी ज्यादा से ज्यादा इनकी तरफ आकर्षित हो सकें और प्रेरणा ले सकें। इस अवसर पर पुस्तकालयाध्यक्ष प्रोफैसर बलवान सिंह ने मुख्यातिथि का स्वागत किया और इस प्रदर्शनी के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस समय कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी सभी हिदायतों का सख्ती से पालन किया जा रहा है। इसी के चलते कार्यक्रम में सामाजिक दूरी, सेनेटाइजेशन व मास्क का विशेष ध्यान रखा गया। कार्यक्रम में महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी एवं पुस्तकालय के कर्मचारी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ...दैनिक भास्कर...

दिनांक 24.4.2021 पृष्ठ संख्या 2 कॉलम 6-8

प्रो. काम्बोज ने कहा-पुस्तकें इंसान की सच्ची मार्गदर्शक, अधिक से अधिक करें अध्ययन

विश्व पुस्तक दिवस पर एचएयू की लाइब्रेरी में प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

भास्कर न्यूज | हिसार

पुस्तकों का अवलोकन करते विवि के वीसी प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज।

एचएयू की नेहरू लाइब्रेरी में विश्व पुस्तक दिवस पर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एचएयू के वीसी प्रोफेसर बीआर. काम्बोज बतौर मुख्यातिथि थे। वीसी ने कहा कि पुस्तकें इंसान की सच्ची मार्गदर्शक हैं, इसलिए ज्यादा से ज्यादा अध्ययन जरूरी है। पुस्तकों में जीवन का सार होता है।

उन्होंने पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. बलवान सिंह से कहा कि इस प्रदर्शनी के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा विश्वविद्यालय के शिक्षकों की लिखित पुस्तकों को समय-समय पर प्रदर्शित करें। उन्होंने इस दिवस के मनाने के उद्देश्य पर विचार करते हुए कहा कि इस दिवस के आयोजन का प्रमुख उद्देश्य पठन, प्रकाशन एवं कॉपीराइट को बढ़ावा देना है। अवसर पर पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. बलवान सिंह ने मुख्यातिथि का स्वागत किया और इस प्रदर्शनी के बारे में जानकारी दी। कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी सभी हिदायतों का पालन किया जा रहा है। कार्यक्रम में महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी एवं पुस्तकालय के कर्मचारी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक भास्कर.....

दिनांक 25.4.2021....पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम....5-8.....

एचएयू को ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण मोड्यूल के लिए मिले चार कॉपीराइट

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की मेहनत व प्रयास एक बार फिर रंग लाई है। इस बार एक और बड़ी उपलब्धि एचएयू के नाम जुड़ गई है, इसमें एचएयू के वैज्ञानिकों को ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण के मोड्यूल के लिए एक साथ चार कॉपीराइट मिले हैं। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने बताया कि ये मोड्यूल गणित एवं सांख्यिकी विभाग के प्रोफेसर ओ.पी. श्योराण, डॉ. विनय कुमार और उनके सहयोगी डॉ. मंजू सिंह टोंक, डॉ. रामनिवास, डॉ. सरिता रानी के द्वारा तैयार किए गए हैं।

विवि को इन मोड्यूल के लिए कॉपीराइट मिला है, जो 23 अप्रैल को मनाए जाने वाले विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस के अवसर पर यह संसार के कृषि अनुसंधान क्षेत्र के विद्यार्थियों व वैज्ञानिकों के लिए एक तोहफा है। एचएयू के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने इस उपलब्धि के लिए मोड्यूल तैयार करने वाली पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह विश्वद्यिालय के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि एचएयू के वैज्ञानिकों पर भी गर्व है कि वे निरंतर कुछ बेहतर करने के लिए प्रयासरत हैं। इससे विवि का नाम रोशन हो रहा है और भविष्य में भी टीम भावना से काम करते रहने का आह्वान किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब केसरी.....

दिनांक 24.4.2021...पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....6-8.....

'विश्व पुस्तक दिवस पर एच.ए.यू. की लाइब्रेरी में प्रदर्शनी का आयोजन'

हिसार, 23 अप्रैल (पंकेस): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी में विश्व पुस्तक दिवस के अवसर पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसमें विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज बतौर मुख्यातिथि थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पुस्तकें इंसान की सच्ची मार्गदर्शक हैं, इसलिए ज्यादा से ज्यादा अध्ययन जरूरी है। पुस्तकों में जीवन का सार होता है। अगर कोई इंसान किताबों को ही अपना सच्चा मार्गदर्शक मान ले तो इसमें जीवन की हर समस्या का समाधान मौजूद होता है।

पुस्तक प्रदर्शनी का अवलोकन करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज एवं अन्य।

उन्होंने पुस्तक लिखने से पहले कॉपीराइट एक्ट का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। उन्होंने इस दिवस के मनाने के उद्देश्य पर विचार करते हुए कहा कि इस दिवस के आयोजन का प्रमुख उद्देश्य पठन, प्रकाशन एवं कॉपीराइट को बढ़ावा देना है। पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. बलवान सिंह ने इस प्रदर्शनी के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। कार्यक्रम में महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी एवं पुस्तकालय के कर्मचारी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब केसरी.....

दिनांक 25.4.2021...पृष्ठ संख्या.....3.....कॉलम.....4-8.....

'हकृवि को ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण मोड्यूल के लिए मिले 4 कॉपीराइट'

हिसार, 23 अप्रैल (पंकेस): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों को ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण के मोड्यूल के लिए एक साथ 4 कॉपीराइट मिले हैं। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने बताया कि ये मोड्यूल गणित एवं सांख्यिकी विभाग के प्रो. ओ.पी. श्योराण, डॉ. विनय कुमार और उनके सहयोगी डॉ. मंजू सिंह टोंक, डॉ. रामनिवास, डॉ. सरिता रानी के द्वारा तैयार किए गए हैं।

विश्वविद्यालय को इन मोड्यूल के लिए कॉपीराइट मिला है, जो 23 अप्रैल को मनाए जाने वाले विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस के अवसर पर यह संसार के कृषि अनुसंधान क्षेत्र के विद्यार्थियों व वैज्ञानिकों के लिए एक तोहफा है।

क्लाइंट सर्वर आर्किटैक्चर विधि पर हैं आधारित: गणित एवं सांख्यिकी विभाग के प्रो. ओ.पी. श्योराण ने बताया कि ये मोड्यूल एक्टिव सर्वर पेजिस(ए.एस.पी.) भाषा का उपयोग करते हुए क्लाइंट सर्वर आर्किटेक्चर विधि पर आधारित हैं। इन मोड्यूल का उपयोग इंटरनैट के माध्यम से

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ मोड्यूल तैयार करने वाली टीम ।

कोई भी वैज्ञानिक अनुसंधान में आंकड़ों का विश्लेषण करने के लिए कर सकता है।

कृषि वैज्ञानिकों व शोध विद्यार्थियों के लिए ये मोड्यूल बहुत ही लाभदायक होंगे। वर्तमान समय में अनुसंधान में ऑनलाइन आंकड़ा विश्लेषण की तकनीकों की बहुत अधिक जरूरत है। इसी को ध्यान में रखते हुए इन मोड्यूल को विकसित किया गया है।

औसत के तुलनात्मक एवं किस्मों के वर्गीकरण में होंगे सहायक: मोड्यूल तैयार करने वाली टीम के इंचार्ज ने बताया कि इन मोड्यूल के माध्यम से शोधकर्त्ता कृषि शोध में किन्ही 2 औसतों के अंतर का महत्व पता लगाने में सक्षम होगा। इसके अलावा बहुत अधिक किस्मों को गुण व विशेषताओं के आधार पर वर्गीकरण करने में उपयोगी होंगे। इन मोड्यूल की सहायता से शोधकर्त्ता अपने आंकड़ों का विश्लेषण ऑनलाइन माध्यम से बहुत ही सरलता से कर सकता है।

इनमे से एक मोड्यूल बहुत अधिक किस्मों का एकसाथ तुलनात्मक अध्ययन में सहायक होगा। सस्य विज्ञान एवं पशु विज्ञान के अनुसंधानों का सांख्यिकी विश्लेषण में भी सहायक सिद्ध होंगे। गणित एवं सांख्यिकी के विभागाध्यक्ष डॉ. मंजू सिंह टोंक ने बताया कि इन मोड्यूल की कोडिंग में कोई अपने अनुसार बदलाव नहीं कर सकता। अगर इन मोड्यूल का कोड बदलना है तो इसके लिए विश्वविद्यालय के संबंधित विभाग से लिखित में अनुमति लेनी पड़ती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला.....

दिनांक 25.11.2021...पृष्ठ संख्या.....3.....कॉलम.....3-4.....

एचएयू-लुवास में अब रोस्टर आधार पर 50 प्रतिशत कर्मचारी आएंगे

माई सिटी रिपोर्टर

विवि के पीजी और पीएचडी के सभी विद्यार्थियों को भी घर भेजा, हॉस्टल खाली करवाए

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) और लाला लाजपत राय पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) में लगातार बढ़ रहे कोरोना के मामलों को लेकर चिंता बढ़ गई है। ऐसे में दोनों विश्वविद्यालयों में अब सी और डी ग्रुप के कर्मचारी रोस्टर आधार पर विश्वविद्यालय आएंगे।

विवि प्रशासन के अनुसार, अकेले लुवास में ही हर रोज 3-4 कर्मचारी कोरोना पॉजिटिव पाए जा रहे हैं। यही हाल एचएयू का भी है। ऐसे में विवि प्रशासन ने कर्मचारियों को रोस्टर आधार पर बुलाना शुरू किया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने शुक्रवार को विवि में होने वाली सभी तरह की विभागीय परीक्षाएं भी स्थगित कर दी हैं। लुवास ने विश्वविद्यालय में पीजी और पीएचडी के विद्यार्थियों से भी हॉस्टल खाली करवा लिए हैं। शुक्रवार को इन विद्यार्थियों की ऑफलाइन कक्षाएं भी स्थगित कर दी गईं। ये विद्यार्थी ऑनलाइन कक्षाएं लगाएंगे। इससे पहले विवि प्रशासन ने स्नातक व डिप्लोमा कोर्स के विद्यार्थियों की ऑफलाइन कक्षाएं भी स्थगित कर ऑनलाइन कक्षाएं शुरू कर दी थीं।

> कोरोना चेन को तोड़ना जरूरी है। सभी से अपील है कि सभी हर समय फेस मास्क का प्रयोग करें। नाक और मुंह दोनों को मास्क से ठीक से ढककर रखें। भीड़ से बचें और एक-दूसरे के बीच कम से कम 6 फीट की दूरी बनाए रखें। बार-बार हाथ धोएं और सैनिटाइजर का प्रयोग करें।
>
> -डॉ. गुरदियाल सिंह, कुलपति, लुवास।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक भास्कर.....

दिनांक .25..4..2021...पृष्ठ संख्या.....3.....कॉलम.....5..7.....

कोरोना से बचाव को सावधानी जरूरी: वीसी

भास्कर न्यूज | हिसार

अभियान चला एचएयू कैंपस को भी कराया सेनिटाइज

एचएयू के वीसी प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने कहा कि कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से सावधानी व भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की पालना करना ही मौजूदा समय में एकमात्र बचाव है। इसके लिए हम सभी को स्वयं सतर्क होते हुए दूसरों को भी जागरूक करने की आवश्यकता है।

कुलपति कोरोना महामारी के बढ़ते संक्रमण के खतरे को देखते हुए विश्वविद्यालय के अधिकारियों को विश्वविद्यालय परिसर व बाहरी केंद्रों पर इससे निपटने के लिए दिशा-निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि कहा कि विश्वविद्यालय के जिस भी कार्यालय में कोरोना संक्रमित कोई कर्मचारी मिलता है तो संबंधित कार्यालय को तुरंत सेनेटाइज करवाएं और सभी कर्मचारियों को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों की पालना करने को कहें। उन्होंने छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया को निर्देश दिया कि वे विश्वविद्यालय परिसर में किसी भी कर्मचारी या उसके परिजन के कोरोना संक्रमित होने पर विश्वविद्यालय के कैंपस अस्पताल के डॉक्टरों की टीम को लगातार उस कर्मचारी या परिजनों से संपर्क बनाए रखने को कहें ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। साथ ही संबंधित क्षेत्र को समय-समय पर सेनेटाइज भी करवाते रहें। उन्होंने विश्वविद्यालय के अधिष्ठाताओं, निदेशकों व अधिकारियों को निर्देश दिया कि विश्वविद्यालय परिसर में सेनेटाइजेशन, सामाजिक दूरी व मास्क के लिए लोगों को जागरूक करने के लिए एक अभियान चलाएं ताकि लोगों में जागरूकता आए और कोरोना महामारी के लापरवाही न बरतें। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय के सभी कॉलेजों व कार्यालयों में सेनेटाइजेशन अभियान चलाया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक सवेरा........

दिनांक 25.4.2021....पृष्ठ संख्या....3........कॉलम.....7-8......

हकृवि कुलपति ने कोरोना संक्रमण पर अधिकारियों को किया आगाह

प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

हिसार, 24 अप्रैल (सुरेंद्र सोढी) :चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से सावधानी व भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की पालना करना ही मौजूदा समय में एकमात्र बचाव है। इसके लिए हम सभी को स्वयं सतर्क होते हुए दूसरों को भी जागरूक करने की आवश्यकता है।

कुलपति कोरोना महामारी के बढ़ते संक्रमण के खतरे को देखते हुए विश्वविद्यालय के अधिकारियों को विश्वविद्यालय परिसर व बाहरी केंद्रों पर इससे निपटने के लिए दिशा-निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि कहा कि विश्वविद्यालय के जिस भी कार्यालय में कोरोना संक्रमित कोई कर्मचारी मिलता है तो संबंधित कार्यालय को तुरंत सैनेटाइज करवाएं और सभी कर्मचारियों को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों की पालना करने को कहें। उन्होंने छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया को निर्देश दिया कि वे विश्वविद्यालय परिसर में किसी भी कर्मचारी या उसके परिजन के कोरोना संक्रमित होने पर विश्वविद्यालय के कैंपस अस्पताल के डाक्टरों की टीम को लगातार उस कर्मचारी या परिजनों से संपर्क बनाए रखने को कहें ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। साथ ही विश्वविद्यालय के बाहरी अनुसंधान व कृषि विज्ञान केंद्रों पर भी भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा जारी हिदायतों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए।

किसानों से भी की मार्मिक अपील

कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने हुए कहा कि किसान चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के परिवार का हिस्सा हैं और यह विश्वविद्यालय किसानों के हित व उत्थान के लिए समर्पित है। उन्होंने किसानों व आमजन से अपील करते कहा कि कोरोना के बढ़ते संक्रमण से अपने व परिजनों के बचाव के लिए केंद्र व राज्य सरकार द्वारा मास्क, सामाजिक दूरी, सेनेटाइजेशन जैसी हिदायतों का विशेष ध्यान रखें।

विश्वविद्यालय में चलाया सैनेटाइजेशन अभियान

उन्होंने बताया कि इसी कड़ी में विश्वविद्यालय के सभी कालेजों व कार्यालयों में सेनेटाइजेशन अभियान चलाया गया। उन्होंने विश्वविद्यालय के सुरक्षा विभाग के अधिकारियों से भी सख्ती बरतते हुए विश्वविद्यालय परिसर में बाहरी व्यक्तियों के अनावश्यक आवागमन पर भी पाबंदी लगाने के लिए निर्देश दिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......दैनिक जागरण......

दिनांक 25.4.2021 पृष्ठ संख्या......1......कॉलम......2......

संक्रमण से बचाव के लिए नियमों का करें पालन

कोरोना के बढ़ते संक्रमण के मद्देनजर एचएयू के कुलपति डा. बीआर कांबोज ने विवि अधिकारियों को दिए दिशा-निर्देश

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा कि कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से सावधानी व भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की पालना करना ही मौजूदा समय में एकमात्र बचाव है। इसके लिए हम सभी को स्वयं सतर्क होते हुए दूसरों को भी जागरूक करने की आवश्यकता है। कुलपति कोरोना महामारी के बढ़ते संक्रमण के खतरे को देखते हुए विश्वविद्यालय के अधिकारियों को विश्वविद्यालय परिसर व बाहरी केंद्रों पर इससे निपटने के लिए दिशा-निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि कहा कि विश्वविद्यालय के जिस भी कार्यालय में कोरोना संक्रमित कोई कर्मचारी मिलता है तो संबंधित कार्यालय को तुरंत सैनिटाइज करवाएं और सभी कर्मचारियों को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों की पालना करने को कहें। उन्होंने छात्र कल्याण निदेशक डा. देवेंद्र सिंह दहिया को निर्देश दिया कि वे विश्वविद्यालय परिसर में किसी भी कर्मचारी या उसके परिजन के कोरोना संक्रमित होने पर विश्वविद्यालय के कैंपस अस्पताल के डॉक्टरों की टीम को लगातार उस कर्मचारी या परिजनों से संपर्क बनाए रखने को कहें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब केसरी.....

दिनांक 25.4.2021...पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....3-4.....

'हकृवि में बाहरी व्यक्तियों के अनावश्यक आवागमन पर पाबंदी'

हिसार, 24 अप्रैल (पंकेस): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में बाहरी व्यक्तियों के अनावश्यक आवागमन पर पाबंदी लगा दी है। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने विश्वविद्यालय के सुरक्षा विभाग के अधिकारियों से सख्ती बरतने के निर्देश दिए। कुलपति ने कहा कि कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से सावधानी व भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की पालना करना ही मौजूदा समय में एकमात्र बचाव है। इसके लिए हम सभी को स्वयं सतर्क होते हुए दूसरों को भी जागरूक करने की आवश्यकता है।

कुलपति ने कोरोना महामारी के बढ़ते संक्रमण के खतरे को देखते हुए विश्वविद्यालय के अधिकारियों को विश्वविद्यालय परिसर व बाहरी केंद्रों पर इससे निपटने के लिए दिशा-निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि कहा कि विश्वविद्यालय के जिस भी कार्यालय में कोरोना संक्रमित कोई कर्मचारी मिलता है तो संबंधित कार्यालय को तुरंत सैनिटाइज करवाएं। उन्होंने छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया को निर्देश दिया कि वे विश्वविद्यालय परिसर में किसी भी कर्मचारी या उसके परिजन के कोरोना संक्रमित होने पर विश्वविद्यालय के कैंपस अस्पताल के डॉक्टरों की टीम को लगातार उस कर्मचारी या परिजनों से संपर्क बनाए रखने को कहें, ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। उन्होंने बताया कि इसी कड़ी में विश्वविद्यालय के सभी कॉलेजों व कार्यालयों में सैनिटाइजेशन अभियान चलाया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....समय उजाला.....

दिनांक 25.4.2021....पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....1.2.....

कृषि विशेषज्ञ की सलाह

डॉ. एसके सहरावत

कपास के बढ़िया फुटाव के लिए सही ढंग से करें पूरे खेत की तैयारी

कपास की बिजाई इस माह के अंत तक पूरी कर लें। नरमा की उन्नत किस्में और देसी कपास की सिफारिशशुदा किस्में ही बोएं। कपास से बढ़िया फुटाव के लिए पूरे खेत की तैयारी सही ढंग से करनी जरूरी है। पहली जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से करनी चाहिए। इसके बाद आवश्यकतानुसार 3-4 जुताई करें। बिजाई के समय खेत में तर बत्तर (गीली आल) का होना जरूरी है। इसके लिए खेत में अच्छा पलेवा करें। गीले बत्तर में दो जुताई करके सुहागा लगाएं व खेत को एकसार कर लें। खेत में पौधों की सही संख्या के लिए बीज की सही मात्रा प्रयोग में लाएं व बीज उपचार करके ही बिजाई करें। नरमें का रोयें रहित 6-8 किलो व रोएं युक्त 8-10 किलो बीज प्रति एकड़ प्रयोग करें। देसी कपास में 5 किलो बीज काफी रहता है। संकर किस्मों का रोएं उतरा बीज 1.2 से 1.5 किलो प्रति एकड़ प्रयोग करें। बीटी संकर किस्मों का 850 ग्राम बीज प्रति एकड़ प्रयोग करें। बीज को 4 से 5 सेंटीमीटर गहरा बोएं।

डॉ. एसके सहरावत
अनुसंधान निदेशक
एचएयू, हिसार।

नरमा की मुख्य किस्में एचएस 6, एच 1117 व एच 1226, एच 1098 संशोधित, एच 1236, एच 1300, नरमा की संकर किस्में एचएचएच 223 व एचडी 432 तथा संकर नरमा में देसी की एएएच वन प्रमुख हैं। बीटी व संकर किस्मों को 67.5-60 सेंटीमीटर के फासले पर बीजें या कतार से कतार की दूरी 100 सेंटीमीटर व पौधे से पौधे की दूरी 45 सेंटीमीटर रखें व अन्य किस्मों में कतार कतार से कतार की दूरी 67.5 सेंटीमीटर व पौधे से पौधे की दूरी 30 सेंटीमीटर रखें। बीजने के लिए यदि रोएं उतारे हुए बीज न मिलें तो रोंएदार (साधारण) बीज को बोने से पहले बारीक मिट्टी, गोबर या राख से रगड़ लेना चाहिए, ताकि ड्रिल में से बीज एकसार निकलें। बिजाई कपास बीजने वाली एक खूड़ वाली ड्रिल से कतारों में करें।

(संदीप बिश्नोई, हिसार)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला.....

दिनांक 25.4.2021...पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....7-8.....

बीज उत्पादन पर महामारी का प्रकोप, उत्पादन और किसान की आय घटेगी

माई सिटी रिपोर्टर

एचएयू ने खेती में जारी की रिपोर्ट

हरियाणा में रोगिंग प्रक्रिया कम होना है इसकी मुख्य वजह

हिसार। कोरोना महामारी का दुष्प्रभाव कृषि अर्थव्यवस्था के बीज उत्पादन क्षेत्र पर भी पड़ा है। एक वर्ष से लगातार चल रहे कोरोना संकट के बीच श्रमिकों की कमी के कारण फसलों में रोगिंग प्रक्रिया बुरी तरह से प्रभावित हुई। रोगिंग बीज उत्पादन के दौरान अनुवांशिक शुद्धता को कायम रखने की महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जिसमें दूसरी किस्मों के पौधों, बीमारी वाले पौधों व खरपतवार के पौधों को खेत से निकाला जाता है। यह कार्य फसल की प्रारंभिक अवस्था से फसल पकने तक चरणबद्ध तरीके से किया जाता है। मगर पिछले एक वर्ष से कोरोना संकट के बीच श्रमिक नहीं मिल पाने के कारण अच्छे बीज के उत्पादन में कमी आई है, जिस कारण फसलों का उत्पादन और किसानों की आय घटेगी।

इस संबंध में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने हरियाणा खेती में एक रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट में कोरोना की वजह से बीज उत्पादक सामग्री और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी होने की वजह से बीज की कीमतों में भी बढ़ोतरी होने की आशंका जताई गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि बीज प्रमाणीकरण संस्था व बीज उत्पादन संस्थाएं समय-समय पर अपने अनुबंधित बीज उत्पादक किसानों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का भी आयोजन करती हैं। मगर कोरोना महामारी के चलते इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों को या तो स्थगित करना पड़ा या बंद करना पड़ा। जिससे बीज की गुणवत्ता में कमी आएगी।

उन्नत बीज से 10-20 प्रतिशत बढ़ती है पैदावार

रिपोर्ट के अनुसार, श्रमिकों के उपलब्ध न होने से केवल रोगिंग प्रक्रिया ही प्रभावित नहीं हुई, बल्कि बीज उत्पादन की अन्य क्रियाओं जैसे- सिंचाई, खरपतवार नियंत्रण, उर्वरक प्रबंधन, पौध संरक्षण, कटाई एवं कढ़ाई आदि में देरी हुई है, जिसके परिणामस्वरूप बीज उत्पादन और बीज गुणवत्ता दोनों में कमी आएगी। वैज्ञानिकों ने कहा है कि कृषि शोध द्वारा यह प्रमाणित है कि केवल साधारण बीज के मुकाबले उन्नत बीज का प्रयोग करने से लगभग 10-20 प्रतिशत तक पैदावार बढ़ाई जा सकती है। अब उन्नत बीज उपलब्ध नहीं होने की वजह से कुल उत्पादन में कमी आएगी और किसानों की आय घटेगी, क्योंकि बीज सीधे तौर पर कृषि अर्थव्यवस्था से जुड़ा है।

ये रिपोर्ट महामारी की वजह से खेती पर पड़ने वाले असर को परिभाषित करती है। रिपोर्ट को लेकर कृषि सेक्टर की विकास दर पर भी असर पड़ेगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
देश बंधु	25.04.2021	--	--

कोरोना के बढ़ते संक्रमण के मद्देनजर एचएयू कुलपति ने विश्वविद्यालय के अधिकारियों को दिए दिशा-निर्देश

हिसार(एस.जैन)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से सावधानी व भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की पालना करना ही मौजूदा समय में एकमात्र बचाव है। इसके लिए हम सभी को स्वयं सतर्क होते हुए दूसरों को भी जागरूक करने की आवश्यकता है। कुलपति महोदय कोरोना महामारी के बढ़ते संक्रमण के खतरे को देखते हुए विश्वविद्यालय के अधिकारियों को विश्वविद्यालय परिसर व बाहरी केंद्रों पर इससे निपटने के लिए दिशा-निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि कहा कि विश्वविद्यालय के जिस भी कार्यालय में कोरोना संक्रमित कोई कर्मचारी मिलता है तो संबंधित कार्यालय को तुरंत सेनेटाइज करवाएं और सभी कर्मचारियों को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों की पालना करने को कहें। उन्होंने छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया को निर्देश दिया कि वे विश्वविद्यालय परिसर में किसी भी कर्मचारी या उसके परिजन के कोरोना संक्रमित होने पर विश्वविद्यालय के कैंपस अस्पताल के डॉक्टरों की टीम को लगातार उस कर्मचारी या परिजनों से संपर्क बनाए रखने को कहें ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। साथ ही संबंधित क्षेत्र को

समय-समय पर सेनेटाइज भी करवाते रहें। उन्होंने विश्वविद्यालय के अधिष्ठाताओं, निदेशकों व अधिकारियों को निर्देश दिया कि विश्वविद्यालय परिसर में सेनेटाइजेशन, सामाजिक दूरी व मास्क के लिए लोगों को जागरूक करने के लिए एक अभियान चलाएं ताकि लोगों में जागरूकता आए और कोरोना महामारी के लापरवाही न बरतें। साथ ही विश्वविद्यालय के बाहरी अनुसंधान व कृषि विज्ञान केंद्रों पर भी भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा जारी हिदायतों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए। कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने हुए कहा कि किसान चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के परिवार का हिस्सा है और यह विश्वविद्यालय किसानों के हित व उत्थान के लिए समर्पित है। उन्होंने किसानों व आमजन से अपील करते कहा कि कोरोना के बढ़ते संक्रमण से अपने व परिजनों के बचाव के लिए केंद्र व राज्य सरकार द्वारा मास्क, सामाजिक दूरी, सेनेटाइजेशन जैसी हिदायतों का विशेष ध्यान रखें।

उन्होंने बताया कि इसी कड़ी में विश्वविद्यालय के सभी कॉलेजों व कार्यालयों में सेनेटाइजेशन अभियान चलाया गया। उन्होंने विश्वविद्यालय के सुरक्षा विभाग के अधिकारियों से भी सख्ती बरतते हुए विश्वविद्यालय परिसर में बाहरी व्यक्तियों के अनावश्यक आवागमन पर भी पाबंदी लगाने के लिए निर्देश दिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूं	25.04.2021	--	--

पुस्तकें इंसान की सच्ची मार्गदर्शक, अधिक से अधिक करें अध्ययन: कुलपति

■ विश्व पुस्तक दिवस पर एचएयू की लाइब्रेरी में प्रदर्शनी का आयोजन

हिसार (सच कहूँ न्यूज)। यहां के हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी में विश्व पुस्तक दिवस के अवसर पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. कांबोज मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति ने कहा कि पुस्तकें इंसान की सच्ची मार्गदर्शक हैं, इसलिए इनका ज्यादा से ज्यादा अध्ययन जरूरी है। पुस्तकों में जीवन का सार होता है। अगर कोई इंसान किताबों को ही अपना सच्चा मार्गदर्शक मान ले तो इसमें जीवन की हर समस्या का समाधान मौजूद होता है। उन्होंने इस दौरान पुस्कालयाध्यक्ष प्रोफेसर बलवान सिंह से कहा कि इस प्रदर्शनी के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा विश्वविद्यालय के शिक्षकों की लिखित पुस्तकों को समय-समय पर प्रदर्शित करें ताकि आने वाली पीढ़ी इनसे प्रेरणा ले और आगे बढ़े। इस दिवस की शुरूआत प्रथम बार 1995 में की गई थी। इस दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय के शिक्षकों की पुस्तकों के बारे में सारांश के तौर पर ऑनलाइन माध्यम से विद्यार्थियों को परिचित कराने की अपील की ताकि विद्यार्थी ज्यादा से ज्यादा इनकी तरफ आकर्षित हो सकें और प्रेरणा ले सकें। इसी के चलते कार्यक्रम में सामाजिक दूरी, सेनेटाइजेशन व मास्क का विशेष ध्यान रखा गया। कार्यक्रम में महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी एवं पुस्तकालय के कर्मचारी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	24.04.2021	--	--

सावधानी व नियमों की पालना ही महामारी का एकमात्र बचाव : कुलपति

हिसार/24 अप्रैल/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर कम्बोज ने कहा कि कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से सावधानी व भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की पालना करना ही मौजूदा समय में एकमात्र बचाव है। इसके लिए हम सभी को स्वयं सतर्क होते हुए दूसरों को भी जागरूक करने की आवश्यकता है। कुलपति कोरोना महामारी के बढ़ते संक्रमण के खतरे को देखते हुए विश्वविद्यालय के अधिकारियों को विश्वविद्यालय परिसर व बाहरी केंद्रों पर इससे निपटने के लिए निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि कहा कि विश्वविद्यालय के जिस भी कार्यालय में कोरोना संक्रमित कोई कर्मचारी मिलता है तो संबंधित कार्यालय को तुरंत सैनेटाइज करवाएं और सभी कर्मचारियों को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों की पालना करने को कहें। उन्होंने छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया को निर्देश दिया कि वे विश्वविद्यालय परिसर में किसी भी कर्मचारी या उसके परिजन के कोरोना संक्रमित होने पर विश्वविद्यालय के कैंपस अस्पताल के डॉक्टरों की टीम को लगातार उस कर्मचारी या परिजनों से संपर्क बनाए रखने को कहें ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। साथ ही संबंधित क्षेत्र को समय-समय पर सैनेटाइज भी करवाते रहें। उन्होंने निर्देश दिया कि विश्वविद्यालय परिसर में सैनेटाइजेशन, सामाजिक दूरी व मास्क के लिए लोगों को जागरूक करने के लिए एक अभियान चलाएं ताकि लोग कोरोना महामारी के लापरवाही न बरतें। उन्होंने बताया कि इसी कड़ी में सैनेटाइजेशन अभियान भी चलाया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूं	24.04.2021	--	--

हकृवि को ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण मोड्यूल के लिए मिले चार कॉपीराइट

■ वैज्ञानिकों की इस उपलब्धि के लिए कुलपति प्रोफेसर बी.आर. कांबोज ने दी बधाई

सच कहूं/संदीप सिंहमार

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की मेहनत व अनवरत प्रयास एक बार फिर रंग लाए हैं। इस बार एक और उपलब्धि विश्वविद्यालय के नाम जुड़ गई है, जिसमें विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों को ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण के मोड्यूल के लिए एक साथ चार कॉपीराइट मिले हैं। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने बताया कि ये मोड्यूल गणित एवं सांख्यिकी विभाग के प्रोफेसर ओपी श्योराण, डॉ. विनय कुमार और उनके सहयोगी डॉ. मंजू सिंह टोंक, डॉ. रामनिवास, डॉ. सरिता रानी द्वारा तैयार किए गए हैं। विश्वविद्यालय को इन मोड्यूल के लिए कॉपीराइट मिला है, जो 23 अप्रैल को मनाए जाने वाले विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस के अवसर पर यह संसार के कृषि अनुसंधान क्षेत्र के विद्यार्थियों व वैज्ञानिकों के लिए एक तोहफा है।

इन मोड्यूल में नहीं कर सकता कोई बदलाव

गणित एवं सांख्यिकी के विभागाध्यक्ष डॉ. मंजू सिंह टोंक ने बताया कि इन मोड्यूल की कोडिंग में कोई अपने अनुसार बदलाव नहीं कर सकता। अगर इन मोड्यूल का कोड बदलना है तो इसके लिए विश्वविद्यालय के संबंधित विभाग से लिखित में अनुमति लेनी पड़ती है।

विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात: कांबोज

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर कांबोज ने इस उपलब्धि के लिए मोड्यूल तैयार करने वाली पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों पर भी गर्व है कि वे निरंतर कुछ बेहतर करने के लिए प्रयासरत हैं। इससे विश्वविद्यालय का नाम रोशन हो रहा है और भविष्य में भी इसी प्रकार टीम भावना से काम करते रहने का आह्वान किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैला हिसार न्यूज	25.04.2021	--	--

हकृवि को ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण मोड्यूल के लिए मिले चार कॉपीराइट, कुलपति ने दी वैज्ञानिकों को बधाई

हैलो हिसार न्यूज

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की मेहनत व अनवरत प्रयास एक बार फिर रंग लाई है। इस बार एक ओर उपलब्धि विश्वविद्यालय के नाम जुड़ गई है, जिसमें विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों को ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण के मोड्यूल के लिए एक साथ चार कॉपीराइट मिले हैं। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने बताया कि ये मोड्यूल गणित एवं सांख्यिकी विभाग के प्रोफेसर ओ.पी. श्योराण, डॉ. विनय कुमार और उनके सहयोगी डॉ. मंजू सिंह टोंक, डॉ. रामनिवास, डॉ. सरिता

रानी के द्वारा तैयार किए गए हैं। विश्वविद्यालय को इन मोड्यूल के लिए कॉपीराइट मिला है, जो 23 अप्रैल को मनाए जाने वाले विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस के अवसर पर यह संसार के कृषि अनुसंधान क्षेत्र के विद्यार्थियों व वैज्ञानिकों के लिए एक तोहफा है।

क्लाइंट सर्वर आर्किटेक्चर विधि पर हैं आधारित

गणित एवं सांख्यिकी विभाग के प्रोफेसर ओ.पी. श्योराण ने बताया कि ये मोड्यूल एक्टिव सर्वर पेजिस(ए.एस.पी.) भाषा का उपयोग करते हुए क्लाइंट सर्वर आर्किटेक्चर विधि पर आधारित हैं। इन मोड्यूल का उपयोग इंटरनेट के माध्यम से कोई भी वैज्ञानिक अनुसंधान में आंकड़ों का विश्लेषण करने के लिए कर सकता है। कृषि वैज्ञानिकों व शोध विद्यार्थियों के लिए ये मोड्यूल बहुत ही लाभदायक होंगे। वर्तमान समय में अनुसंधान में ऑनलाइन आंकड़ा विश्लेषण की तकनीकों की बहुत अधिक जरूरत है। इसी को ध्यान में रखते हुए इन मोड्यूल को विकसित किया गया है।

औसत के तुलनात्मक एवं किस्मों के वर्गीकरण में होंगे सहायक

मोड्यूल तैयार करने वाली टीम के इंचार्ज ने बताया कि इन मोड्यूल के माध्यम से शोधकर्ता कृषि शोध में किन्हीं दो औसतों के अंतर का महत्व पता लगाने में सक्षम होगा। इसके अलावा बहुत अधिक किस्मों को गुण व विशेषताओं के आधार पर वर्गीकरण करने में उपयोगी होंगे। इन मोड्यूल की सहायकता से शोधकर्ता अपने आंकड़ों का विश्लेषण ऑनलाइन माध्यम से बहुत ही सरलता से कर सकता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे	23.04.2021	--	--

वैज्ञानिकों की इस उपलब्धि के लिए हकृवि कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने दी बधाई

हकृवि को ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण मोड्यूल के लिए मिले चार कॉपीराइट

पांच बजे ब्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की मेहनत व अनवरत प्रयास एक बार फिर रंग लाई है। इस बार एक ओर उपलब्धि विश्वविद्यालय के नाम जुड़ गई है, जिसमें विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों को ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण के मोड्यूल के लिए एक साथ चार कॉपीराइट मिले हैं। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने बताया कि ये मोड्यूल गणित एवं सांख्यिकी विभाग के प्रोफेसर ओ.पी. श्योराण, डॉ. विनय कुमार और उनके सहयोगी डॉ. मंजू सिंह टोक, डॉ. रामनिवास, डॉ. सरिता रानी के द्वारा तैयार किए गए हैं। विश्वविद्यालय को इन मोड्यूल के लिए कॉपीराइट मिला है, जो 23 अप्रैल को मनाए जाने वाले विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस के अवसर पर यह संसार के कृषि अनुसंधान क्षेत्र के विद्यार्थियों व वैज्ञानिकों के लिए एक तोहफा है।

क्लाइंट सर्वर आर्किटेक्चर विधि पर है आधारित

गणित एवं सांख्यिकी विभाग के प्रोफेसर ओपी श्योराण ने बताया कि ये मोड्यूल एक्टिव सर्वर पेजिस (एएसपी) भाषा का उपयोग करते हुए क्लाइंट सर्वर आर्किटेक्चर विधि पर आधारित है। इन मोड्यूल का उपयोग इंटरनेट के माध्यम से कोई भी वैज्ञानिक अनुसंधान में आंकड़ों का विश्लेषण करने के लिए कर सकता है। कृषि वैज्ञानिकों व शोध विद्यार्थियों के लिए ये मोड्यूल बहुत ही लाभदायक होंगे। वर्तमान समय में अनुसंधान में ऑनलाइन आंकड़ा विश्लेषण की तकनीकों की बहुत अधिक जरूरत है। इसी को ध्यान में रखते हुए इन मोड्यूल को विकसित किया गया है।

औसत के तुलनात्मक एवं किस्मों के वर्गीकरण में होंगे सहायक

मोड्यूल तैयार करने वाली टीम के इंचार्ज ने बताया कि इन मोड्यूल के माध्यम से शोधकर्ता कृषि शोध में किन्हीं दो औसतों के अंतर का महत्व पता लगाने में सक्षम होगा। इसके अलावा बहुत अधिक किस्मों को गुण व विशेषताओं के आधार पर वर्गीकरण करने में उपयोगी होंगे। इन मोड्यूल की सहायकता से शोधकर्ता अपने आंकड़ों का विश्लेषण ऑनलाइन माध्यम से बहुत ही सरलता से कर सकता है। इनमे से एक मोड्यूल बहुत अधिक किस्मों का एक साथ तुलनात्मक अध्ययन में सहायक होगा। सस्य विज्ञान एवं पशु विज्ञान के अनुसंधानों का सांख्यिकी विश्लेषण में भी सहायक सिद्ध होंगे।

इन मोड्यूल में नहीं कर सकता कोई बदलाव

गणित एवं सांख्यिकी के विभागाध्यक्ष डॉ. मंजू सिंह टोक ने बताया कि इन मोड्यूल की कोडिंग में कोई अपने अनुसार बदलाव नहीं कर सकता। अगर इन मोड्यूल का कोड बदलना है तो इसके लिए विश्वविद्यालय के संबंधित विभाग से लिखित में अनुमति लेनी पड़ती है।

विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने इस उपलब्धि के लिए मोड्यूल तैयार करने वाली पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों पर भी गर्व है कि वे निरंतर कुछ बेहतर करने के लिए प्रयासरत हैं। इससे विश्वविद्यालय का नाम रोशन हो रहा है और भविष्य में भी इसी प्रकार टीम भावना से काम करते रहने का आह्वान किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी प्लस न्यूज	23.04.2021	--	--

विश्व पुस्तक दिवस पर एचएयू की लाइब्रेरी में प्रदर्शनी का आयोजन

सिटी प्लस न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी में विश्व पुस्तक दिवस के अवसर पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज बतौर मुख्यातिथि थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पुस्तकें इंसान की सच्ची मार्गदर्शक हैं, इसलिए ज्यादा से ज्यादा अध्ययन जरूरी है। पुस्तकों में जीवन का सार होता है। अगर कोई इंसान किताबों को ही अपना सच्चा मार्गदर्शक मान ले तो इसमें जीवन की हर समस्या का समाधान मौजूद होता है। उन्होंने इस दिवस के मनाने के उद्देश्य पर विचार करते हुए कहा कि इस दिवस के आयोजन का प्रमुख उद्देश्य पठन, प्रकाशन एवं कॉपीराइट को बढ़ावा देना है। इस दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय के शिक्षकों की पुस्तकों के बारे में सारांश के तौर पर ऑनलाइन माध्यम से विद्यार्थियों को परिचित कराने की अपील की ताकि विद्यार्थी ज्यादा से ज्यादा इनकी तरफ आकर्षित हो सकें और प्रेरणा ले सकें। इस अवसर पर पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. बलवान सिंह ने प्रदर्शनी के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस समय कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी सभी हिदायतों का सख्ती से पालन किया जा रहा है। इसी के चलते कार्यक्रम में सामाजिक दूरी, सेनेटाइजेशन व मास्क का विशेष ध्यान रखा गया। कार्यक्रम में महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी एवं पुस्तकालय के कर्मचारी मौजूद रहे।

हिसार। पुस्तक प्रदर्शनी के दौरान पुस्तकों का अवलोकन करते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज एवं अन्य।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी प्लस न्यूज	23.04.2021	--	--

उपलब्धि : हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण मोड्यूल के लिए मिले चार कॉपीराइट

वैज्ञानिकों की इस उपलब्धि के लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने दी बधाई

सिटी प्लस न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की मेहनत व अनवरत प्रयास एक बार फिर रंग लाई है। इस बार एक और उपलब्धि विश्वविद्यालय के नाम जुड़ गई है, जिसमें विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों को ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण के मोड्यूल के लिए एक साथ चार कॉपीराइट मिले हैं। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजबीर सिंह ने बताया कि ये मोड्यूल गणित एवं सांख्यिकी विभाग के प्रोफेसर ओ.पी. श्योराण, डॉ. विनय कुमार और उनके सहयोगी डॉ. मंजू सिंह टोंक, डॉ. रामनिवास, डॉ. महिला रानी के द्वारा तैयार किए गए हैं। विश्वविद्यालय को इन मोड्यूल के लिए कॉपीराइट मिला है, जो 23 अप्रैल को मनाए जाने वाले विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस के अवसर पर यह संसार के कृषि अनुसंधान क्षेत्र के विद्यार्थियों व वैज्ञानिकों के लिए एक तोहफा है। क्लाइंट सर्वर आर्किटेक्चर विधि पर है आधारित

गणित एवं सांख्यिकी विभाग के प्रोफेसर ओ.पी. श्योराण ने बताया कि ये मोड्यूल एक्टिव सर्वर पेजिस (ए.एस.पी.) भाषा का उपयोग करते हुए क्लाइंट सर्वर आर्किटेक्चर विधि पर आधारित है। इन मोड्यूल का उपयोग इंटरनेट के माध्यम से कोई भी वैज्ञानिक अनुसंधान में आंकड़ों का विश्लेषण करने के लिए कर सकता है। कृषि वैज्ञानिकों व शोध विद्यार्थियों के लिए ये मोड्यूल बहुत ही लाभदायक होंगे। वर्तमान समय में अनुसंधान में ऑनलाइन आंकड़ा विश्लेषण की तकनीकों की बहुत अधिक जरूरत है। इसी को ध्यान में रखते हुए इन मोड्यूल को विकसित किया गया है।

हिसार। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज के साथ मोड्यूल तैयार करने वाली टीम।

औसत के तुलनात्मक एवं किस्मों के वर्गीकरण में होंगे सहायक

मोड्यूल तैयार करने वाली टीम के इंचार्ज ने बताया कि इन मोड्यूल के माध्यम से शोधकर्ता कृषि शोध में किन्हीं दो औसतों के अंतर का महत्व पता लगाने में सक्षम होगा। इसके अलावा बहुत अधिक किस्मों को गुण व विशेषताओं के आधार पर वर्गीकरण करने में उपयोगी होंगे। इन मोड्यूल की सहायता से शोधकर्ता अपने आंकड़ों का विश्लेषण ऑनलाइन माध्यम से बहुत ही सरलता से कर सकता है। इनमें से एक मोड्यूल बहुत अधिक किस्मों का एक साथ तुलनात्मक अध्ययन में सहायक होगा। फसल विज्ञान एवं पशु विज्ञान के अनुसंधानों का सांख्यिकी विश्लेषण में भी सहायक सिद्ध होंगे।

विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने इस उपलब्धि के लिए मोड्यूल तैयार करने वाली पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों पर भी गर्व है कि वे निरंतर कुछ बेहतर करने के लिए प्रयासरत हैं। इससे विश्वविद्यालय का नाम रोशन हो रहा है और भविष्य में भी इसी प्रकार टीम भावना से काम करते रहने का आह्वान किया।

इन मोड्यूल में नहीं कर सकता कोई बदलाव

गणित एवं सांख्यिकी के विभागाध्यक्ष डॉ. मंजू सिंह टोंक ने बताया कि इन मोड्यूल की कोडिंग में कोई अपनी इच्छा अनुसार बदलाव नहीं कर सकता। अगर इन मोड्यूल का कोड बदलना है तो इसके लिए विश्वविद्यालय के संबंधित विभाग से लिखित में अनुमति लेनी पड़ती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	23.04.2021	--	--

पुस्तकें इंसान की सच्ची मार्गदर्शक : प्रो. काम्बोज

विश्व पुस्तक दिवस पर एचएयू की लाइब्रेरी में प्रदर्शनी का आयोजन

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की गेहक लाइब्रेरी में विश्व पुस्तक दिवस के अवसर पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज बतौर मुख्यातिथि थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पुस्तकें इंसान की सच्ची मार्गदर्शक हैं, इसलिए ज्यादा से ज्यादा अध्ययन जरूरी है। पुस्तकों में जीवन का सार होता है। अगर कोई इंसान किताबों को ही अपना सच्चा मार्गदर्शक मान ले तो इसमें जीवन की हर समस्या का समाधान मौजूद होता है। उन्होंने इस दौरान

पुस्तकालयाध्यक्ष प्रोफेसर बलवान सिंह से कहा कि इस प्रदर्शनी के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा विश्वविद्यालय के शिक्षकों को लिखित पुस्तकों को समय-समय पर प्रदर्शित करें ताकि आने वाली पीढ़ी इससे प्रेरणा ले और आगे बढ़े।

उन्होंने पुस्तक लिखने से पहले कॉपीराइट एक्ट का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी ताकि भविष्य में किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। उन्होंने इस दिवस के मनाने के उद्देश्य पर विचार करते हुए कहा कि इस दिवस के आयोजन का प्रमुख उद्देश्य पठन, प्रकाशन एवं कॉपीराइट को बढ़ावा देना है।

इस दिवस की शुरूआत प्रथम बार 1995 में की गई थी। इस दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय के शिक्षकों को पुस्तकों के बारे में संक्षेप के तौर पर ऑनलाइन माध्यम से विद्यार्थियों को परिचित कराने की अपील की ताकि विद्यार्थी ज्यादा से ज्यादा इनकी तरफ आकर्षित हो सकें और प्रेरणा ले सकें।

इस अवसर पर पुस्तकालयाध्यक्ष प्रोफेसर बलवान सिंह ने मुख्यातिथि का स्वागत किया और इस प्रदर्शनी के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस समय कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी सभी दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन किया जा रहा है। इसी के चलते कार्यक्रम में सांकेतिक दूरी, सेनेटाइजेशन व मास्क का विशेष ध्यान रखा गया। कार्यक्रम में महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी एवं पुस्तकालय के कर्मचारी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	23.04.2021	--	--

हकृवि को ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण मोड्यूल के लिए मिले चार कॉपीराइट

हिसार (समस्त हरियाणा न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की मेहनत व लगातार प्रयास एक बार फिर रंग लाई है। इस बार एक और उपलब्धि विश्वविद्यालय के नाम जुड़ गई है, जिसमें विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों को ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण के मोड्यूल के लिए एक साथ चार कॉपीराइट मिले हैं। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने बताया कि ये मोड्यूल गणित एवं सांख्यिकी विभाग के प्रोफेसर ओ.पी. श्योराण, डॉ. विनय कुमार और उनके सहयोगी डॉ. मंजू सिंह टोंक, डॉ. [illegible], डॉ. [illegible] शर्मा के द्वारा तैयार किए गए हैं। विश्वविद्यालय को इन मोड्यूल के लिए कॉपीराइट मिला है, जो 23 अप्रैल को मनाए जाने वाले विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस के अवसर पर इस प्रदेश के कृषि अनुसंधान क्षेत्र के विद्यार्थियों व वैज्ञानिकों के लिए एक तोहफा है।

क्लाइंट सर्वर आर्किटेक्चर विधि पर हैं आधारित

गणित एवं सांख्यिकी विभाग के प्रोफेसर ओ.पी. श्योराण ने बताया कि ये मोड्यूल एप्लिकेशन सर्वर पेजिस (ए.एस.पी.) भाषा का उपयोग करते हुए क्लाइंट सर्वर आर्किटेक्चर विधि पर आधारित हैं। इन मोड्यूल का उपयोग इंटरनेट के माध्यम से कोई भी वैज्ञानिक अनुसंधान में आंकड़ों का विश्लेषण करने के लिए कर सकता है। कृषि वैज्ञानिकों व शोध विद्यार्थियों के लिए ये मोड्यूल बहुत ही लाभदायक होंगे। वर्तमान समय में अनुसंधान में ऑनलाइन आंकड़ा विश्लेषण की तकनीकों की बहुत अधिक जरूरत है। इसी को ध्यान में रखते हुए इन मोड्यूल को विकसित किया गया है।

औसत के तुलनात्मक एवं किस्मों के वर्गीकरण में होंगे सहायक

मोड्यूल तैयार करने वाली टीम के सदस्यों ने बताया कि इन मोड्यूल के माध्यम से शोधकर्ता कृषि शोध में किस्मों की औसतों के अंतर का पता लगाने में सक्षम होंगे। इसके अलावा बहुत अधिक किस्मों को गुण व विशेषताओं के आधार पर वर्गीकरण करने में उपयोगी होंगे। इन मोड्यूल्स की सहायता से शोधकर्ता अपने आंकड़ों का विश्लेषण ऑनलाइन माध्यम से बहुत ही आसानी से कर सकता है। इनमें से एक मोड्यूल बहुत अधिक किस्मों का एक साथ तुलनात्मक अध्ययन में सहायक होगा। फसल विज्ञान एवं पशु विज्ञान के अनुसंधानों का सांख्यिकी विश्लेषण में भी सहायक सिद्ध होंगे।

इन मोड्यूल में नहीं कर सकता कोई बदलाव

गणित एवं सांख्यिकी के विभागाध्यक्ष डॉ. मंजू सिंह टोंक ने बताया कि इन मोड्यूल्स की कोडिंग में कोई अपने अनुसार बदलाव नहीं कर सकता। अगर इन मोड्यूल का कोई बदलाव है तो इसके लिए विश्वविद्यालय के संबंधित विभाग से लिखित में अनुमति लेनी पड़ती है।

विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात : काम्बोज

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने इस उपलब्धि के लिए मोड्यूल तैयार करने वाली पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों पर भी गर्व है कि वे निरंतर कुछ बेहतर करने के लिए प्रयासरत हैं। इससे विश्वविद्यालय का नाम रोशन हो रहा है और भविष्य में भी इसी प्रकार टीम भावना से काम करते रहने का आह्वान किया।